सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 173 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 07 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बिलासपुर एयरपोर्ट का विस्तार : 290 एकड़ सैन्य भूमि हस्तांतरित, 4 सी श्रेणी में होगा अपग्रेड

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासा देवी केंवट हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने की दिशा में सोमवार को ऐतिहासिक उपलब्धि मिली। जिला प्रशासन को 290.8 एकड़ सैन्य भूमि का विधिवत हस्तांतरण किया गया, जिससे एयरपोर्ट विस्तार और 4सी उन्नयन का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया।

एयरपोर्ट विस्तार प्रोजेक्ट को मिली निर्णायक गति

शहर के बहुप्रतीक्षित एयरपोर्ट विस्तार प्रोजेक्ट को निर्णायक गति मिली, जब भारतीय सेना और रक्षा संपदा कार्यालय (डीईओ) जबलपुर के अधिकारियों द्वारा 290.8 एकड़ भूमि का औपचारिक हस्तांतरण जिला प्रशासन को किया गया। यह प्रक्रिया कलेक्टर संजय अग्रवाल की उपस्थिति में संपन्न हुई। भूमि हस्तांतरण के दौरान सैन्य अधिकारियों एवं डीईओ जबलपुर के प्रतिनिधियों ने स्वामित्व संबंधी आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर भूमि को प्रशासन को सौंपा। इस महत्वपूर्ण कदम के साथ अब एयरपोर्ट के लिए उपलब्ध कुल भूमि 646.8 एकड़ हो गई है, जो इसके व्यापक विस्तार के लिए पर्याप्त मानी जा रही है।

तकनीकी अड़चने पूरी तरह समाप्त

इस अतिरिक्त भूमि के मिलने से रनवे विस्तार और एयरपोर्ट को 4सी श्रेणी में अपग्रेड करने की दिशा में आ रही तकनीकी अड़चनें पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। 4सी श्रेणी उन्नयन होने से बड़े विमानों की आवाजाही संभव होगी, जिससे बिलासपुर को देश के प्रमुख शहरों के साथ बेहतर हवाई कनेक्टिविटी मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर भारतीय सेना के कर्नल ए. मजूमदार, कर्नल दिनेश पट्टाभि, लेफ्टिनेंट कर्नल नीरज सिंह, रक्षा संपदा अधिकारी (डीईओ) जबलपुर के मोहम्मद शाद आलम तथा एयरपोर्ट डायरेक्टर एन. वीरेन सिंह, एडीएम ज्योति पटेल, एसडीएम आकांक्षा त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में नया धर्म स्वातंर्त्य कानून आज से लागू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज से नया धर्म स्वतंत्रता कानून लागू हो गया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद लागू हुए इस कानून के तहत अवैध तरीके से धर्मांतरण के मामलों में कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। अब बल, लालच, धोखाधड़ी या गलत जानकारी देकर धर्म परिवर्तन कराने पर दोषियों को 7 से 10 साल तक की जेल और कम से कम 5 लाख रुपए का जुर्माना भरना होगा। अगर पीड़ित नाबालिग, महिला, अनुसूचित जाति, जनजाति या पिछड़ा वर्ग से है, तो सजा बढ़ाकर 10 से 20 साल तक की जेल और कम से कम 10 लाख रुपए जुर्माना किया गया है। वहीं सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में 10 साल से लेकर आजीवन कारावास और न्यूनतम 25 लाख रुपए जुर्माने का प्रावधान है। दोबारा ऐसे अपराध में दोषी पाए जाने पर सीधे उम्रकैद हो सकती है। नए कानून के तहत धर्म परिवर्तन करने से पहले संबंधित व्यक्ति को 60 दिन पहले कलेक्टर को आवेदन देना अनिवार्य होगा। साथ ही अनुष्ठान कराने वाले पुजारी, मौलवी या पादरी को भी पूर्व सूचना देनी होगी।

लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क का भंडाफोड़, पांच आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में दो पाकिस्तानी आतंकियों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक सुनियोजित अभियान के तहत राजस्थान और हरियाणा सहित कई राज्यों में कुल 19 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस को मॉड्यूल से जुड़े कई आपत्तिजनक और महत्वपूर्ण सबूत भी बरामद हुए हैं। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

अफ्रीकन स्वाइन फीवर का कहर : सैकड़ों सूअरों की मौत, पशु पालन विभाग ने किया फार्म सील

- दुर्ग जिले के मुडपार-नारधा गांव के फार्म में 300 से ज्यादा सूअरों की मौत
- पॉजिटिव सैंपल आने के बाद 80 से ज्यादा सूअरों को इंजेक्शन देकर विभाग ने किया नष्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में सूअरों में खतरनाक बीमारी अफ्रीकन स्वाइन फीवर का कहर देखने को मिल रहा है। जिले के मुडपार नारधा गांव के एक फार्म में 300 से ज्यादा सूअरों की मौत होने के बाद इस बीमारी का पता चला। दरअसल सूअर पालन केन्द्र में रोजाना सूअरों की मौत हो रही है। फार्म के मालिक ने पशु पालन विभाग को सूचना दी। पशुपालन विभाग की टीम पहुंची और सूअरों का सैंपल कलेक्ट किया। इसके बाद भोपाल के हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज लैब भेजा गया। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सोमवार की पशुपालन विभाग की टीम फार्म पहुंची। यहां 80 से ज्यादा सूअरों को इंजेक्शन देकर मारा गया और गाइडलाइन के अनुसार दफनाया गया।

बता दें दुर्ग जिले के नारधा-मुडपार सूअर

पालन का एक प्रमुख केंद्र है। यहां लंबे समय से बड़े पैमाने पर सूअर पालन किया जा रहा था। इस फार्म से न केवल दुर्ग-भिलाई, बल्कि प्रदेश के कई अन्य हिस्सों और पड़ोसी राज्यों में भी सूअर मांस की सप्लाई की जाती थी। गांव स्थित सूअर फार्म में पल रहे सूअरों में जानलेवा अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि होने से हड़कंप मच गया। सोमवार को दुर्ग जिले के पशुपालन विभाग की टीम बड़ी संख्या में मुडपार गांव पहुंची। बताया जा रहा है कि यहां पहले की सैकड़ों सूअरों की मौत हो गई। सूअरों का सैंपल भोपाल के हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज लैब भेजा गया। सोमवार को रिपोर्ट आने के बाद विभाग की अलर्ट हुआ। फार्म के मालिक की मौजूदगी में

300 से ज्यादा सूअरो की मौत

फार्म के मालिक पीओ जॉय के मुताबिक उनके फार्म में लगभग 400 सूअर पल रहे थे। सूअरों में बीमारी की आशंका को देखते हुए पशु पालन विभाग को सूचित किया। पशु पालन विभाग द्वारा 29 मार्च को पहली बार सैंपल लिया गया और उसे भोपाल भेजा गया। इसके बाद 1 अप्रैल से सूअरों की मौत का सिलसिला शुरू हो गया। 6 अप्रैल आते-आते सैकड़ों सूअरों की मौत हो गई। सोमवार को पशु पालन विभाग की टीम सोमवार को पहुंची और फार्म में बचे सूअरों को इंजेक्शन देकर मार कर फार्म के पास दफनाया गया। फार्म के मालिक के अनुसार उन्हें इससे एक करोड़ से ज्यादा का नुकसान हआ है।

पॉजिटिव आने वाले सूअरों को इंजेक्शन देकर मारा गया। इसके बाद गाइड लाइन क अनुसार नष्ट किया गया। सभी मृत सूअरों को फार्म के पास ही सुरक्षित तरीके से दफनाया गया।

जानिए क्या है यह वायरस और कितना खतरनाक है?

अफ्रीकन स्वाइन फीवर एक बेहद खतरनाक वायरल बीमारी है। इसकी गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें मृत्यु दर 100प्रतिशत तक होती है। यानी यदि कोई सूअर इस वायरस से संक्रमित हो जाता है, तो उसका बच पाना असंभव होता है। राहत की बात यह है कि यह वायरस इंसानों को संक्रमित नहीं करता, लेकिन यह सूअर पालन उद्योग के लिए बेहद विनाशकारी साबित होता है और पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।

सूअर से सूअरों में ही फैलता है यह वायरस

"पशुपालन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर वसीम शम्स ने नारधा-मुडपार गांव के सूअर पालन केन्द्र में अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि की है। उन्होंने श्रीकंचनपथ से चर्चा करते हुए बताया कि सूअरों की मौत के बाद सैंपल हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज लैब भोपाल भेजा गया। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद फार्म में मौजूद 80 से ज्यादा सूअरों को गाइडलाइन के अनुसार नष्ट किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि आफ्रीकन स्वाइन फीवर केवल सूअरों को होता है और यह सुअर से सूअरों के बीच ही फैलता है। यह वायरल किसी अन्य जानवर या इंसान को इफेक्ट नहीं करता है। विभाग ने सूचना मिलने के बाद पूरी सतर्कता से काम किया। देर रात तक फार्म में पॉजिटिव सूअरों को नष्ट किया गया। इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है और इन्हें नष्ट किया जाना जरूरी हो जाता है।

हमर लैब की जगह अब छत्तीसगढ़ में बनेंगे हाईटेक अटल आरोग्य लैब

रायपुर। रायपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। राज्य सरकार अब मौजूदा 'हमर लैब' व्यवस्था को अपग्रेड कर हाईटेक 'अटल आरोग्य लैब' शुरू करने की तैयारी में है, जिससे मरीजों को जांच के लिए बड़े अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

नई व्यवस्था के तहत मरीज अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में ही जांच करा सकेंगे और रिपोर्ट सीधे मोबाइल पर प्राप्त होगी। इससे खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें अभी छोटी-छोटी जांचों के लिए जिला अस्पतालों तक जाना पड़ता है। सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए केंद्र की कंपनी एचएलएल लाइफकेयर के साथ करार किया है। इसके तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पताल तक सभी को एक नेटवर्क में जोड़ा जाएगा, जिससे जांच सेवाएं एकीकृत और तेज हो सकें। फिलहाल जिला अस्पताल रायपुर की हमर लैब में करीब 120 तरह की जांचें होती हैं, जहां हर दिन बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं। नई योजना लागू होने के बाद यहां जांचों की संख्या बढ़कर 134 हो जाएगी। वहीं सिविल अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी जांच सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

सिलेंडर नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों ने करसा में किया चक्काजाम

- टोकन मिलने के 15 से 20 दिन बाद भी नहीं दी जा रही डिलीवरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिलने से परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार को भिलाई -3 से तर्रा होकर पाटन जाने वाली सड़क पर करसा गांव में चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों ने यहां के सताक्षी गैस एजेंसी पर टोकन मिलने के 15 से 20 दिन बाद भी सिलेंडर की डिलीवरी में हीला हवाला करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची भिलाई-3 पुलिस ने ग्रामीणों को समझाइश देकर चक्काजाम खत्म कराया।

भिलाई-3 के नजदीक करसा गांव में सताक्षी गैस एजेंसी का संचालन किया जाता है। इस एजेंसी का मुख्य कार्यालय खुर्सीपार भिलाई में है। करसा में ब्रांच खोलकर सिलेंडर की डिलीवरी देने के चलते करसा, घुघवा और इसके आसपास के काफी ग्रामीण उपभोक्ता सताक्षी गैस एजेंसी के उपभोक्ता बने हैं।

एक घंटे लगा रहा जाम

ग्रामीणों का कहना है कि गैस सिलेंडर के लिए आने वाले उपभोक्ता घंटों लाइन में खड़े होकर जब कार्यालय पहुंचते हैं तो उनसे पूरी राशि लेकर एक टोकन दिया जाता है। टोकन में 15 से 20 दिन के बाद की तारीख सिलेंडर डिलीवरी के लिए दी जाती है। लेकिन नियत तारीख पर भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। एजेंसी के कर्मचारी डिलीवरी के लिए बार बार नई तारीख देकर उपभोक्ताओं को परेशान करते हैं। मंगलवार सुबह 11 बजे के आसपास आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर खाली सिलेंडर रख चक्काजाम कर दिया। इसके चलते लगभग घंटे भर यातायात प्रभावित हुआ।

भिलाई स्टील प्लांट के पावर प्लांट-2 में आग, टर्बाइन सेक्शन में हुआ था ब्लास्ट

7 से ज्यादा कर्मियों के घायल होने की आशंका, जांच जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के पावर प्लांट-2 में मंगलवार सुबह करीब 10 बजे भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार टर्बाइन सेक्शन में ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई और पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया।

घटना के समय प्लांट के अंदर मौजूद कर्मचारियों ने हालात बिगड़ते देख पीछे के रास्ते से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 6 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। संयंत्र प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी और प्रशासन की टीम भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद आग पर काबू पाने का काम शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आशंका है कि हादसे में 7 से अधिक कर्मी घायल हो गए हैं।

ब्लास्ट के साथ लगी आग

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टर्बाइन में अचानक तेज आवाज के साथ ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद आग की लपटें तेजी से फैल गईं। कुछ ही मिनटों में पावर प्लांट का बड़ा हिस्सा धुएं से भर गया। आसमान में दूर तक धुएं और आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में 7 से अधिक बीएसपी कर्मियों के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि दो बीएसपी कर्मचारी और तीन ठेका श्रमिक हल्की चोटों के साथ घायल हुए हैं, जबकि एक कर्मचारी के पैर में फ्रैक्चर बताया जा रहा है। सभी घायलों को सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। कुछ घायलों को पहले मेन मेडिकल पोस्ट में प्राथमिक उपचार दिया गया।

जांच के बाद असली वजह आएगी सामने

प्लांट प्रबंधन और प्रशासन की टीमें लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। आग लगने के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। शुरुआती अनुमान के अनुसार, टर्बाइन सेक्शन में तकनीकी खराबी या दबाव बढ़ने से ब्लास्ट होने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन असली वजह की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

बस्तर 2.0 की शुरुआतः सीएम साय ने पीएम को सौंपा विकास का ब्लूप्रिंट

- बस्तर के लिए 360ए प्लान-टूरिज्म, स्टार्टअप, इंफ्रा और इनोवेशन पर फोकस

नई दिल्ली/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर बस्तर आने का न्योता दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल नक्सलवाद के अंत के बाद प्रदेश में आई शांति के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया, बल्कि बस्तर के समग्र विकास का एक विस्तृत और दूरदर्शी ब्लूप्रिंट भी सौंपा। पीएम मोदी ने न्योता स्वीकार किया।

सीएम साय ने बताया कि बस्तर समेत पूरे राज्य में नक्सलवाद समाप्त हो चुका है और अब शांति स्थापित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ब्लूप्रिंट के जरिए बस्तर में अब विकास, रोजगार और बेहतर सुविधाओं का नया दौर शुरू होगा।

मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत विकास ब्लूप्रिंट 'सैचुरेशन, कनेक्ट, फैसिलिटेट, एम्पावर और एंगेज' रणनीति पर आधारित है। इसके तहत बस्तर में बुनियादी सुविधाओं को तेजी से विस्तार देने का लक्ष्य रखा गया है। सड़कों के व्यापक जाल के माध्यम से दूर-दराज के गांवों को जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधूरे कार्यों को 2027 तक पूरा करने के साथ-साथ नई 228 सड़कों और 267 पुलों का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा 61 नई परियोजनाओं के लिए विशेष केंद्रीय सहायता की मांग भी की गई है। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे के दौरान जिन प्रमुख परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण की योजना है, उनमें रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन, जगदलपुर एयरपोर्ट का विस्तार, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज, जगरगुंडा और ओरछा में एजुकेशन सिटी जैसी महत्वपूर्ण पहल शामिल हैं। ये परियोजनाएं बस्तर को शिक्षा, स्वास्थ्य और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

बस्तर में शादी से लौट रही पिकअप पलटी दो महिलाओं की मौत, 37 हुए घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर जिले के घोटिया थाना क्षेत्र के ढाबामारी के पास मंगलवार की सुबह शादी से लौट रही एक तेज रफ्तार पिकअप पलट गई, इस हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, वहीं 37 लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस के साथ ही बचाव दल मौके पर पहुंच घायलों को लोहंडीगुड़ा और उसके बाद मेकाज लाया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि सिरिसगुड़ा निवासी एक परिवार अपने गांव के लोगों के साथ सोमवार को गांव के ही रामधर कि पिकअप वाहन में नारायणपुर जिले के ओरछा के

रेंगाबेड़ा में शादी में गए हुए थे, शादी का कार्यक्रम खत्म होने के बाद मंगलवार की सुबह जब पिकअप में सब वापस आ रहे थे तभी घोटिया थाना क्षेत्र के ढाबामारी के पास चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और पिकअप पलट गई।

इस घटना में गांव की दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि अन्य 37 लोग घायल हो गए, घटना की जानकारी लगते ही गांव के लोगो के साथ ही पुलिस टीम व एम्बुलेंस को रवाना किया गया। घायलों को लोहंडीगुड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जबकि कुछ को मेकाज रेफर किया गया है।

संपादकीय

ट्रंप के बिगड़े बोल

ईरान के खिलाफ अपशब्द हताशा का नतीजा

अमेरिका के इतिहास में शायद ही कोई डोनाल्ड ट्रंप जैसा अधीर, अपरिपक्व बयानवीर और व्यापारी सोच का राष्ट्रपति हुआ हो। संयम व गरिमा शब्द उनके शब्दकोश में ही नहीं हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका-इस्राइल युद्ध के चरम के बीच उन्होंने जिन अपशब्दों का प्रयोग ईरान के लिये किया, वो उनकी हताशा को ही दर्शाता है। उनके बयानों की पूरी दुनिया के साथ अमेरिका के भीतर भी कड़ी आलोचना हुई है। आज अमेरिका के नागरिक भी सोचते होंगे कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में राष्ट्रपति को इतने निरंकुश अधिकार देना क्या प्रजातंत्र के हित में है? निश्चित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर, अपशब्दों और धार्मिक संदर्भों के साथ तेहरान को दी गई चेतावनी, ट्रंप के आवेगपूर्ण उकसावे के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। एक महाशक्ति के मुखिया द्वारा ऐसी सतही भाषा का प्रयोग न केवल अशोभनीय है बल्कि घातक परिणामों की ओर ले जाने वाला भी है। जाहिरा तौर उनकी धमकियां ईरान को बातचीत की मेज पर लाने के बजाय, उसे और आक्रामक तरीके से जवाबी कार्रवाई करने को उकसाएंगी। दरअसल,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह जताने की असफल कोशिश कर रहे हैं कि मौजूदा युद्ध मध्ययुगीन धर्मयुद्ध का विस्तार है। जिसमें सदियों तक ईसाई और मुसलमान आपस में वर्चस्व के लिये युद्ध करते रहे हैं। उन्होंने राजनीति में धार्मिक भावनाओं का भरपूर इस्तेमाल करते हुए ईरान में मार गिराए गए अमेरिकी फाइटर जहाज के पायलट के बचाव को 'ईस्टर का चमत्कार' बताने से भी गुरेज नहीं किया। जाहिरा तौर पर पुनरुत्थान और आशा का प्रतीक माने जाने वाले ईसाई धर्मावलंबियों के एक पवित्र दिन का हवाला देना, सैन्य अभियान को नैतिक और दैवीय रंग देने का ही एक असफल प्रयास है। निश्चित तौर पर इस तरह की सतही बयानबाजी एक जटिल भू-राजनीतिक संघर्ष को धार्मिकता की एक सरल कहानी में बदलने का जोखिम पैदा करती है। जो ट्रंप की सैन्य अभियान की तार्किकता सिद्ध करने की विफलता को भी दर्शाती है।

"आज अमेरिका के नागरिक भी सोचते होंगे कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में राष्ट्रपति को इतने निरंकुश अधिकार देना क्या प्रजातंत्र के हित में है? निश्चित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर, अपशब्दों और धार्मिक संदर्भों के साथ तेहरान को दी गई चेतावनी, ट्रंप के आवेगपूर्ण उकसावे के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। एक महाशक्ति के मुखिया द्वारा ऐसी सतही भाषा का प्रयोग न केवल अशोभनीय है बल्कि घातक परिणामों की ओर ले जाने वाला भी है। जाहिरा तौर उनकी धमकियां ईरान को बातचीत की मेज पर लाने के बजाय, उसे और आक्रामक तरीके से जवाबी कार्रवाई करने को उकसाएंगी। दरअसल,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह जताने की असफल कोशिश कर रहे हैं कि मौजूदा युद्ध मध्ययुगीन धर्मयुद्ध का विस्तार है। जिसमें सदियों तक ईसाई और मुसलमान आपस में वर्चस्व के लिये युद्ध करते रहे हैं।

यही वजह है कि अमेरिकी सांसदों ने यह पता लगाने के लिये जांच की मांग की है कि क्या धार्मिक मान्यताओं का प्रयोग सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिये किया जा सकता है? निश्चित रूप से उन सांसदों की चेतावनी एक मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांत पर आधारित है, वो है चर्च और राज्य का पृथक्करण का सिद्धांत। उनका तर्क है कि सैन्य निर्णय कानून,रणनीति और जवाबदेही द्वारा निर्देशित होने चाहिए, न कि ईश्वर या बाईबल की भविष्यवाणियों का हवाला देकर। निश्चित रूप से ट्रंप की इन आक्रामक ब्यानबाजियों और कारगुजारियों की कीमत आने वाले वर्षों में अमेरिकियों को चुकानी पड़ सकती है। वहीं दूसरी ओर ट्रंप की गैरजिम्मेदार धमकियां पश्चिमी एशिया में अमेरिकी रक्षा कर्मियों के जीवन को भी खतरे में डाल सकती हैं। वहीं दूसरी ओर गुप्त राजनयिक प्रयासों को भी पटरी से उतार सकती हैं। दुनिया की महाशक्ति के सबसे शक्तिशाली नेता होने के नाते,उन्हें यह जरूर समझना चाहिए कि उनके बेतुके शब्दों से अमेरिकी विदेशी नीति को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है। जाहिरा तौर पर सशक्त नेतृत्व के लिये जिम्मेदारी के साथ विश्वसनीयता और स्पष्टता भी बेहद जरूरी है। ऐसे में धर्म को हथियार बनाने का उनका यह प्रयास घोर हताशा को ही दर्शाता है। जो इस बात की भी पुष्टि करता है कि अमेरिकी जनता ने एक व्यक्ति की क्षमताओं से कहीं अधिक दायित्व उन्हें सौंपा है। जिसकी वजह यह भी है कि ट्रंप ईरान की क्षमताओं का आकलन करने में चूके हैं। वे जमीनी हकीकत से इतर लगातार अमेरिका की जीत के दावे कर रहे हैं। जब कि वास्तविकता यह है कि सब कुछ खत्म करने के दावों के बावजूद ईरान अमेरिका व इस्राइल को पूरी टक्कर दे रहा है। वह खाड़ी में न केवल अमेरिका के मित्र देशों को निशाना बना रहा है बल्कि इस्राइल के भीतर व मध्यपूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले कर रहा है। ट्रंप के बड़े-बड़े दावों के बावजूद न तो ईरान में सत्ता परिवर्तन ही हुआ है और न ही यह तय हो पाया कि ईरान भविष्य में परमाणु क्षमता हासिल नहीं कर सकता है। उलटे अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता में तेजी से गिरावट आई है।

मिशन कर्मयोगी: फिर से लिख रहे पटकथा

डॉ जितेंद्र सिंह

कल्पना करें कि राजस्थान के दूरदराज के किसी कोने में जिला कलेक्टर को एक ऐसी महत्वाकांक्षी कल्याण योजना की जिम्मेदारी सौंपी जाती है जिसके बारे में उसकी जानकारी बहुत कम है। एक दशक पहले उसे जानकारी के लिए कहीं धूल खा रही किसी नियमावली का सहारा लेना होता। या फिर वह अपने किसी वरिष्ठ सहयोगी की तीन बैठकों और लंच के बाद खाली होने का इंतजार करता। उसकी उम्मीद उस प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भी टिकी हो सकती थी जो शायद एक या दो साल में कभी आता। लेकिन आज वह अपने फोन के जरिए आईगॉट (इंटिग्रेटेड गर्वनमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म) पर लॉग ऑन करता है। उसे मिनटों में ही अपनी जरूरत के अनुरूप एक सुव्यवस्थित कार्यकुशलता आधारित पाठ्यक्रम मिल जाता है। वह शाम तक सूचनाओं और आत्मविश्वास से लैस होकर योजना के लाभार्थियों की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहा होता है। यह बदलाव देखने में छोटा लग सकता है मगर हकीकत में किसी क्रांति से कम नहीं है।

चमक-दमक से दूर धैर्य के साथ पांच साल पहले शुरू किया गया मिशन कर्मयोगी एक क्रांति ला रहा है। यह नए भारत के लिए एक नई तरह के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने के उद्देश्य से चुपचाप काम कर रहा है। इसके महत्व को समझने के लिए हमें पहले संदर्भ को जानना होगा। 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री के निर्धारित लक्ष्य तक यूं ही नहीं पहुंचा जा सकता। इस मंजिल तक पहुंचने के लिए हमें भारत गणतंत्र को चलाने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों के जरिए सावधानी से एक-एक कदम आगे बढ़ना होगा। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी, प्रौद्योगिकी या नीति नहीं है। सबसे ज्यादा अहमियत उन लगभग 3.5 करोड़ प्रशिक्षित, उत्साही और नागरिक केंद्रित सरकारी कर्मियों की क्षमता की है जो हर सुबह उठ कर भारतीय शासन को संचालित करते हैं।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में ज्यादातर समय क्षमता निर्माण का मॉडल सांयोगिक रहा है। किसी नौजवान अधिकारी को सेवा की शुरुआत के समय औपचारिक प्रशिक्षण दिया जाता था। फिर करियर के बीच में यदा-कदा उसे कुछ पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता था। बाकी, उसे काम करते हुए और दूसरों को देख कर ही सीखना होता था। एक स्थिर और धीमी गति से आगे बढ़ते विश्व में यह काफी था। लेकिन कृत्रिम मेधा, जलवायु अवरोध, जनसांख्यिकीय दबाव और जबर्दस्त प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के युग में यह सरासर नाकाफी है। प्रशासन के सामने चुनौतियां जिस रफ्तार से आती हैं उसके सामने प्रशिक्षण की पुरानी प्रणालियों की गति कहीं नहीं टिकती।

'मिशन कर्मयोगी' को इसी बेमेल स्थिति के समाधान के रूप में की गई थी। 2021 में शुरू किया गया यह मिशन—जिसे उसी वर्ष अप्रैल में स्थापित 'क्षमता निर्माण आयोग' द्वारा संस्थागत रूप से संचालित किया गया, एक सचमुच महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ा। भारतीय सिविल सेवाओं की सीखने की संस्कृति को, समय-समय पर होने वाली और केवल नियमों के पालन तक सीमित प्रक्रिया से बदलकर, एक निरंतर चलने वाली, भूमिका-आधारित और स्वयं-निर्देशित विकास यात्रा में रूपांतरित करना इसका मकसद है। जैसा कि आयोग इसका वर्णन करता है, यह बदलाव 'कर्मचारी'—यानी नियमों का पालन करने वाले एक पदाधिकारी से 'कर्मयोगी' बनने की ओर है: एक ऐसा लोक सेवक जो किसी उद्देश्य, सेवा-भाव और उत्कृष्टता से प्रेरित हो।

पाँच वर्षों के बाद, ये आंकड़े अत्यंत शिक्षाप्रद हैं। 'आईगॉट' (इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) प्लेटफॉर्म पर अब 1.5 करोड़ से अधिक सरकारी अधिकारी सक्रिय शिक्षार्थी के रूप में जुड़े हैं — यह एक ऐसी संख्या है जो शुरुआत के समय काल्पनिक लगती थी। 4,600 से अधिक योग्यता-आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से, इन अधिकारियों ने 8.3 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किए हैं। अकेले पिछले 'राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह' के दौरान, भागीदारी के परिणामस्वरूप 4.5 मिलियन घंटे के पाठ्यक्रम नामांकन और 3.8 मिलियन घंटे की वास्तविक शिक्षा दर्ज की गई। ये केवल अमूर्त आंकड़े नहीं हैं। दर्ज किया गया प्रत्येक घंटा भारत में कहीं न कहीं एक लोक सेवक का प्रतिनिधित्व करता है — छत्तीसगढ़ में एक राजस्व निरीक्षक, पुणे में एक शहरी स्थानीय निकाय अधिकारी, मणिपुर में एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ये सब अपने साथी नागरिकों की बेहतर सेवा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ा रहें हैं।

जो बात आईगॉट प्लेटफॉर्म को वास्तव में परिवर्तनकारी बनाती है, वह केवल इसका पैमाना नहीं है, बल्कि इसकी 'पहुँच की संरचना' है। यह किसी भी समय और कहीं भी, स्मार्टफोन या डेस्कटॉप पर, कई भाषाओं में उपलब्ध है, और इसे शिक्षार्थी के पेशेवर प्रोफाइल के अनुसार बनाया गया है। पाठ्यक्रमों को हर तीन से छह महीने में अपडेट किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि शासन में एआई टूल का उपयोग कैसे करें या नए वित्तीय नियमों को कैसे समझें, इससे संबंधित सामग्री वर्तमान और प्रासंगिक बनी रहे। दूसरे शब्दों में, यह प्लेटफॉर्म धूल फांकने वाली कोई डिजिटल लाइब्रेरी नहीं है — बल्कि यह सीखने का एक जीवंत और अनुकूलन योग्य तंत्र है। इस पर विचार कीजिए कि एक आदिवासी जिले की जूनियर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए इसका क्या अर्थ है, जिसे उसकी अपनी भाषा में बाल पोषण मूल्यांकन के नवीनतम प्रोटोकॉल समझाने वाला एक मॉड्यूल प्राप्त होता है। उसे अपने ब्लॉक में किसी प्रशिक्षक के आने का इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं है। वह सीखती है, और कार्य करती है। यही इस मिशन का 'लोकतांत्रिक लाभांश' है।

क्षमता निर्माण आयोग, इस तंत्र के रणनीतिक संरक्षक के रूप में, एक साथ 'वास्तुकार' और 'संचालक' दोनों की भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय नीति बनाने वाले एक सचिव से लेकर ग्राम स्तर पर इसे लागू करने वाले एक पंचायत पदाधिकारी तक, यह पहचान करता है कि सार्वजनिक भूमिकाओं के विशाल स्पेक्ट्रम में किन योग्यताओं की आवश्यकता है। यह सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय मानक 2.0 ढांचे के माध्यम से देश के प्रशिक्षण संस्थानों के लिए गुणवत्ता मानक निर्धारित करता है, जिसके तहत देश भर के 200 से अधिक प्रशिक्षण संस्थान पहले ही मान्यता प्राप्त कर चुके हैं। यह राज्यों के साथ मिलकर काम करता है। सभी 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अब औपचारिक समझौता ज्ञापनों के माध्यम से जुड़ चुके हैं ताकि ऐसी विशिष्ट 'क्षमता निर्माण योजनाएं' तैयार की जा सकें जो कार्यबल की दक्षताओं को संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ जोड़ती हैं। 'राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम' जैसी ऐतिहासिक पहलों के माध्यम से, इसने एक मिलियन से अधिक प्रमाणित अधिकारियों को बड़े पैमाने पर व्यवहार प्रशिक्षण दिया है, जो प्रत्येक नागरिक को अंतिम हितधारक के रूप में मानने की सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण कला है।

मिशन के इस अंतिम आयाम पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि यह एक ऐसी चीज़ के बारे में है जिसे 'पूर्णता प्रमाण पत्र' या 'लॉग किए गए घंटों' में आसानी से नहीं मापा जा सकता। मिशन कर्मयोगी की सबसे गहरी आकांक्षाओं में से एक है—दृष्टिकोण में बदलाव। यह राज्य और नागरिक के बीच एक 'लेन-देन' वाले संबंध से हटकर 'नागरिक देवो भव' की भावना से परिभाषित संबंध की ओर एक आंदोलन है: नागरिक ईश्वर के समान है, वह सर्वोच्च अधिकारी है जिसके प्रति राज्य का सेवक जवाबदेह है। जब रेलवे काउंटरों, राजस्व कार्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों पर नागरिक-केंद्रित अधिकारियों को इसके तहत प्रशिक्षित किया गया और बाद में नागरिकों का सर्वेक्षण किया गया तो प्रतिक्रिया आश्चर्यजनक थी। उन्होंने बदलाव को महसूस किया। न केवल दक्षता में, बल्कि व्यवहार की आत्मीयता, तत्परता और बातचीत की मानवीय गुणवत्ता में भी। एक ऐसे युग में जब एआई प्रशासनिक कार्यों के विशाल हिस्सों को स्वचालित करने की चुनौती दे रहा है, यह मानवीय परत, जो सहानुभूतिपूर्ण, सांस्कृतिक रूप से जागरूक और स्थानीय जड़ों से जुड़ी है कोई फालतू चीज़ नहीं, बल्कि भारत के शासन की सर्वोच्च शक्ति है। इस मिशन ने अपनी तकनीकी महत्वाकांक्षाओं के साथ-साथ भारत की बौद्धिक विरासत का सम्मान करने का भी एक सचेत प्रयास किया है। 'भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रकोष्ठ' के माध्यम से, पारंपरिक ज्ञान जिसमें सामुदायिक शासन और कृषि से लेकर वित्त और स्वास्थ्य सेवा तक के क्षेत्र शामिल हैं — को प्रशिक्षण सामग्री के ताने-बाने में बुना जा रहा है; इसे केवल अतीत की यादों के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत ज्ञान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। 'अमृत ज्ञान कोष' भंडार, जिसमें 70 से अधिक पूर्ण केस स्टडीज़ शामिल हैं, शासन-प्रशासन से जुड़े ऐसे ज्ञान का एक संग्रह तैयार कर रहा है जिसकी जड़ें भारतीय संदर्भों और भारतीय समाधानों में निहित हैं। प्रशासनिक मानसिकता का यह 'वि-औपनिवेशीकरण', जिसके तहत भारतीय लोक सेवकों को आधुनिक चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी ही सभ्यतागत विरासत के साथ आत्मविश्वासपूर्ण जुड़ाव स्थापित करने की ओर लौटाया जाता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख आकांक्षाओं में से एक है और 'मिशन कर्मयोगी' इसी आकांक्षा को साकार रूप दे रहा है।

'साधना' सप्ताह 2 से 8 अप्रैल तक मनाया जाने वाला राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह — इस पांच वर्षीय यात्रा का उत्सव और इसके अधूरे कार्यों के प्रति पुनर्संकल्प, दोनों है। 'साधना' शब्द यहाँ अत्यंत उपयुक्त है। इसका अर्थ है समर्पित अभ्यास; एक ऐसे व्यक्ति का अनुशासित दैनिक प्रयास जो किसी एक असाधारण कार्य के माध्यम से नहीं, बल्कि अपने कौशल के प्रति निरंतर समर्पण के माध्यम से निपुणता प्राप्त करना चाहता है। जैसे ही हम सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के एक 'राष्ट्रीय सम्मेलन' के साथ इस सप्ताह का उद्घाटन कर रहे हैं, जिसमें लगभग 700 वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से और 3,000 से अधिक वर्चुअल माध्यम से शामिल हो रहे हैं, हम केवल एक वर्षगाँठ नहीं मना रहे हैं। हम अगले पांच वर्षों के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं — एक ऐसे भविष्य की ओर जिसमें हर स्तर पर प्रत्येक सिविल सेवक निरंतर सीखने वाला, एक 'नागरिक-चैंपियन' और भारत की आकांक्षाओं का एक आत्मविश्वासी संरक्षक होगा।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य — सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज से लेकर शून्य शुद्ध उत्सर्जन के संकल्प तक, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से लेकर वैश्विक विनिर्माण नेतृत्व तक, केवल नीतिगत माध्यम से पूरे नहीं होंगे। वे लोगों के माध्यम से पूरे होंगे: उस जिला अधिकारी द्वारा जो योजना को सही ढंग से समझ कर उसे पूरी शुद्धता के साथ लागू कर सके; उस शहरी योजनाकार द्वारा जो स्थानिक डेटा टूल का उपयोग कर सके; उस अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा जो सार्वजनिक स्वास्थ्य अलर्ट को इस तरह संप्रेषित करे कि उसका समुदाय उस पर भरोसा करे। मिशन कर्मयोगी न केवल कल के लिए, बल्कि आने वाले दशकों के लिए उसी दल का निर्माण कर रहा है। भारत की शासन-व्यवस्था की कहानी के लंबे और प्रकाशमान सफर में, यह शायद वह अध्याय है जिसमें शासन ने आखिरकार 'सीखना' सीख लिया।

(लेखक केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं)

कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक से किसानों को मिलेगा न्याय

डॉ वीरेन्द्र सिंह

भारत में कृषि विपणन का एक व्यवस्थित ढांचा मौजूद था, जो ग्रामीण आत्मनिर्भरता और स्थानीय मंडियों पर आधारित था। किसान न केवल अपने उपभोग के लिए, बल्कि विशेष फसलों जैसे कपास, मसाले, अनाज आदि का उत्पादन व्यापार के लिए भी करते थे। यह विपणन व्यवस्था ग्राम आधारित थी। किसान अपने उत्पादन के साधनों के स्वामी होते थे और स्वतंत्र रूप से अपनी फसल को बाजार में बेचने का निर्णय ले सकते थे।

देश की आज़ादी के बाद, सर छोटूराम द्वारा ब्रिटिश पंजाब में लागू किए गए कृषि उपज मंडी सुधारों के आधार पर कृषि नीति तैयार की गई और राज्यों ने कृषि उपज विपणन समिति अधिनियम पारित किए, जिसके तहत स्थानीय मंडियां स्थापित की गईं। इसका उद्देश्य बिचौलियों के शोषण को कम करना और किसानों को उचित मूल्य दिलाना था। शुरुआत में, कृषि एवं कृषि प्रबंधन समितियां वास्तव में प्रभावी थीं। इन्होंने कृषि व्यापार में नीलामी आधारित मूल्य निर्धारण, मानकीकृत वजन प्रणाली, लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों और विनियमित लेन-देन प्रक्रियाओं को लागू किया। इनके गठन के समय, एपीएमसी को नीलामी के माध्यम से बेहतर मूल्य सुनिश्चित करने और किसानों को विपणन की उच्च लागत और उपज के नुकसान से बचाने के लिए एक लोकतांत्रिक समाधान के रूप में सराहा गया था।

समय के साथ, किसानों की सुरक्षा के लिए बनाई गई व्यवस्थाएं ही उनके विरुद्ध कार्य करने लगीं। एक पारदर्शी मूल्य निर्धारण प्रणाली ऐसी प्रणाली में परिवर्तित हो गई जहां कीमतें व्यापारियों और कमीशन एजेंटों द्वारा साज-बाज द्वारा तय की जाने लगी। दशकों से कई संरचनात्मक विकृतियां संचित होती रहीं।

भारत की कृषि को जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं से लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें कई बिचौलिए शामिल हैं। साथ ही, प्रतिबंधात्मक घरेलू विपणन नीतियां और सीमा संबंधी उपाय भी हैं, जिनके कारण समीक्षाधीन अवधि के अधिकांश समय में कीमतें औसतन अंतर्राष्ट्रीय बाजार स्तर से नीचे रही हैं। इसके साथ ही, कई वस्तुओं में अंतिम उपभोक्ता मूल्य में किसानों का हिस्सा बेहद कम बना हुआ है।

हालांकि, सीएसीपी ने 23 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की सिफारिश की थी, लेकिन प्रभावी खरीद मुख्य रूप से एफसीआई के माध्यम से चावल और गेहूं के लिए ही संचालित होती थी, जो धान की कुल बिक्री का केवल एक-चौथाई और गेहूं का 20 प्रतिशत ही एमएसपी पर बेचा गया। दशकों की नीति के बावजूद, अधिकांश किसान गारंटीकृत न्यूनतम मूल्य प्राप्त नहीं कर सके। दालों या तिलहन की खेती करने वाले किसानों के लिए, एमएसपी अक्सर एक घोषणा मात्र रह जाती थी, जिसके पीछे कोई खरीद तंत्र नहीं होता था।

खाद्यान्न जांच समिति की सिफारिशों के बाद, सरकार ने 1950 के दशक के उत्तरार्ध में खाद्यान्नों में सरकारी व्यापार भी शुरू किया। इसके तहत सरकार ने किसानों को उचित मुआवजा सुनिश्चित करने के लिए गेहूं और चावल जैसी प्रमुख वस्तुओं की पूर्व निर्धारित कीमतों पर खरीद की। वर्ष 1961 में पंजाब राज्य कृषि उपज मंडी अधिनियम पारित हुआ, जिसकी नियमावली पंजाब राज्य कृषि उपज मंडी अधिनियम रूल्स-1962 के अन्तर्गत लागू की गई। इस अधिनियम की सेक्शन-43, रूल 24 (11, 12 और 14) के अनुसार आढ़तियों को कृषि उपज बिक्री-तुलाई के तुरंत बाद किसानों को भुगतान और जे-फार्म जारी करना कानूनन अनिवार्य है। लेकिन मंडियों में इन नियमों का खुला उल्लंघन करते हुए, फसल उपज की सरकारी खरीद में कार्टेल बनाकर और अवैध कच्ची पर्ची (अनौपचारिक रसीद) व्यवस्था द्वारा समर्थन मूल्य से कम पर कृषि उपज खरीदने से किसानों का खुला शोषण हो रहा था। आढ़तियों की अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था से किसानों का आर्थिक नुकसान हो रहा है। कच्ची पर्ची व्यवस्था से किसानों के लगातार हो रहे शोषण के खिलाफ लेखक द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए, हाईकोर्ट ने 27 जनवरी, 2026 को सरकार को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगाने के दिशानिर्देश जारी किए।

रणनीति में युद्ध समाप्ति कला की अहमियत

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता

आजकल युद्ध खत्म नहीं होते। खिंचते जाते हैं, अपना स्वरूप बदल रहे हैं और खुद को जायज ठहराते हैं। यह रणनीति नहीं है। यह रणनीतिक रूपरेखा की असफलता है। मैंने युद्धों को खत्म होते देखा,और उन्हें खत्म होने से इनकार करते भी। सेना में, हमें युद्ध शुरू करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। हम आरंभिक व्यूह रचना, ज़ोरदार हमले, शत्रु का घेरा तोड़ने व इच्छाशक्ति कुचलने का अध्ययन करते हैं। युद्ध का विस्तार करना समझते हैं। लेकिन एक अन्य शांत अनुशासन है जो कभी रणनीति को परिभाषित करता था, लेकिन अब धीरे-धीरे धुंधला रहा है। वह है, रुकने की कला।

जिन संघर्षों का अंत बढ़िया हुआ, उनकी संरचना सीधी-सादी थी। दुश्मन को पूरी तरह मिटाना नहीं, बल्कि उद्देश्य में स्पष्टता रखना। तब, किसी में इतनी हिम्मत होती थी कि वह फैसला कर सके कि मिशन पूरा हो गया है। इसलिए नहीं कि दुश्मन का खात्मा हो गया, बल्कि इसलिए कि काम पूरा हो गया था। बल का इस्तेमाल हुआ। तयशुदा सीमा तक पहुंचे। फिर आया सबसे मुश्किल आदेश : रुको। घर वापसी करो। आज, वह माद्दा गायब है। कोई फैसला नहीं करता। संघर्ष खिंचते रहते हैं। बिना किसी तय अंत वाला युद्ध कोई अभियान नहीं होता। यह तो जान-माल की हानि के साथ भटकाव है।

हमें किसी मानक की तलाश करने की ज़रूरत नहीं है। साल 1971 में, भारत ने आधुनिक इतिहास के सबसे निर्णायक अभियानों में से एक को अंजाम दिया। यह सिर्फ़ जीत नहीं थी। यह उसके बाद बरते गए संयम का उदाहरण था। हम वहां रुके नहीं रहे। हमने अपनी जीत को कब्ज़े में नहीं बदला। हमें भान था कि 'पूरा हुआ काम' कैसे दिखता है।

1988 में मालदीव में, हमने दखल दिया, व्यवस्था बहाल की और वापसी कर ली। पीछे कुछ बाकी नहीं छोड़ी। कोई अन्य एजेंडा नहीं। प्रभाव अधिकतम, दखल न्यूनतम। यहां तक कि श्रीलंका में भी, जहां पर हालात बहुत पेचीदा थे, हमने तब पीछे हटने का अनुशासन दिखाया, जब हमें लगा कि अब वहां से कुछ खास हासिल नहीं होने वाला। भारत का संयम सिर्फ़ इसमें नहीं था कि उसने क्या किया, बल्कि इस बात में भी था कि उसने किन चीज़ों पर हमला न करना चुना। बुनियादी ढांचे को कभी भी निशाना नहीं बनाया। इसी आधारभूत ढांचे पर किसी भी समाज का जीवन टिका होता है। इसे तबाह करने का मतलब है, उन्हीं लोगों को सज़ा देना जिनके नाम पर अक्सर युद्धों को सही ठहराया जाता है। इसी अनुशासन ने हमारी वैधता को बनाए रखा। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर गौर कीजिए। सटीक। तय परिधि में। उद्देश्यपूर्ण। लक्ष्य हासिल। काम पूरा। और फिर रुक जाना। हरेक मामले में, परिणामों ने साधनों को परिभाषित किया। लेकिन अब साधन खुद मकसद बनने का जोखिम उठा रहे हैं।

हम इसे 'हाइब्रिड वॉर', ग्रे ज़ोन या सोच-समझकर पैदा की गई अस्पष्टता कहते हैं। धरातल पर यह सरल दिखता है। सिद्धांत के आवरण में भटकाव। पश्चिम एशिया में, उद्देश्य बदलते रहते हैं जबकि युद्ध जारी है। कोई दिन निर्णायक जीत मिलने का अहसास करवाता है। अगले रोज़ लगता है लड़ाई अब लंबी खिंचेगी। बातचीत, विराम और तनाव इस कदर गडमड हो जाते हैं कि शब्दों का अर्थ ही समाप्त हो जाए। यूरोप में, संघर्ष वर्षों तक खिंच गया। उद्देश्यों पर भू-राजनीति की कई परतें चढ़ती गईं व स्पष्टता गायब हो गई। लड़ाई इसलिए जारी नहीं है कि अंतिम लक्ष्य परिभाषित है, बल्कि इसलिए कि कोई इसे परिभाषित नहीं कर रहा। संघर्ष खुद-ब-खुद खिंचता जा रहा है।

रणनीति यह भूल जाती है कि इस भटकाव की कीमत कौन चुकाएगा। रणनीतिकार मैदान ए जंग की बातें करता है। नागरिक इसकी अवधि की कीमत चुकाता है। चाय की दुकान पर बैठा व्यक्ति सिद्धांत नहीं पढ़ा होता। वह तो बाधित हुई आपूर्ति शृंखलाओं से बढ़ती कीमतों का दंश झेलता है, जो कभी स्थिर नहीं होतीं क्योंकि युद्ध अंतहीन हो चले हैं। वे अपने परिवारों को युद्धक्षेत्रों में फंसा हुआ पाता है जहां से निकलने की कोई राह नहीं। वह उस अनिश्चितता के साथ जीता है जो राष्ट्र की सोच में रम जाती है। जब युद्ध का कोई निश्चित समय होता है, तो समाज संगठित होता है और उबरता है। जब नहीं तो होता, तो अर्थव्यवस्था और भावनाएं उसी के अनुरूप आकार लेने लगती हैं। यदि सफलता को परिभाषित न किया जाए, तो वह कभी प्राप्त ही नहीं होती। असफलता तब स्वाभाविक प्रक्रिया बन जाती है।

संघर्ष समाप्त करने के लिए हमारे पास पहले से कहीं अधिक संसाधन हैं, फिर भी हम उन्हें समाप्त करने में असमर्थ हैं। ड्रोन, साइबर ऑपरेशन और सटीक हमले घोषित युद्ध से इतर दबाव डालने का जरिया बन गए हैं। हम अनिश्चित काल तक न तो शांति और न ही युद्ध की स्थिति बनाए रख सकते हैं। यह एक तरह का जाल है। क्षमता ने निर्णय लेने की शक्ति का स्थान ले लिया है। युद्ध रोकने को जवाबदेही की आवश्यकता पड़ती है। बताने की जरूरत पड़ती है कि क्या पाया और क्या खोया। इसके लिए जिम्मेवारी लेने की जरूरत होती है। किसी नतीजे की घोषणा करने के मुकाबले में यह कह देना आसान है कि परिस्थिति स्वरूप बदल रही है। बल प्रयोग स्पष्टता और उद्देश्य के साथ किया जाए। लेकिन इसकी वैधता विवेक पर आधारित है। यदि एक थप्पड़ ही काफी है, तो लाठी क्यों? यदि उद्देश्य सुधारना है, तो एक व्यक्ति की गलती के लिए पूरे वर्ग को दंड क्यों? बुनियादी ढांचा युद्धक्षेत्र नहीं होता। यह समाज की जीवनधारा होता है। इस पर चोट करने से आप युद्ध को आकार नहीं दे रहे, बल्कि भविष्य को सजा दे रहे हैं। बल का प्रत्येक प्रयोग न केवल लक्षितों पर, बल्कि खुद आरंभकर्ता पर भी असर छोड़ता है। अतिरेक स्मृति, धारणा और प्रतिरोध को आकार देता है। तात्कालिक जो भी लाभ होता है वह अक्सर वैधता में खो जाता है। संतुलित प्रतिक्रिया व्यवहार सुधारती है। अंधाधुंध प्रतिक्रिया पीढ़ियों को घाव देता है जो बार-बार लौट आते हैं।

कोविड-19, जलवायु परिवर्तन और युद्धों ने एक सरल सत्य उजागर किया। किसी भी संकट का असर स्थानीय नहीं रह सकता। एक क्षेत्र में हो रहा युद्ध महाद्वीपों भर में भोजन, ईंधन, व्यापार और भरोसे को बाधित कर देता है। मानवता अब परम वैश्विक साझा संसाधन है। यह घोषणाओं पर नहीं, बल्कि कृत्यों में संयम पर टिकी है। यदि यह भंग हो जाए तो, बचाव का कोई क्षेत्र बाकी नहीं रहता। युद्ध से पहले ही युद्ध जीता जाना चाहिए। और यदि यह संभव न हो, तब विनाश करने की रणनीति बनाएं। युद्ध कभी भी कानूनविहीन नहीं रहा। इसकी हमेशा सीमाएं रही हैं। जिनेवा सम्मेलनों ने आधाररेखा स्थापित की -घायलों की रक्षा। युद्धबंदियों को बचाना, नागरिकों को अभयदान। लड़ाकू और गैर-लड़ाकू में अंतर। अतिरिक्त आचार संहिता-1 में माना गया कि युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। नागरिक अब रणक्षेत्र से अधिक दूर नहीं रहे। भेद और आनुपातिकता वैधता के केंद्र में आ गए। नागरिक परिसरों पर हमला न किया जाए। जीवन-निर्वाह के लिए भोजन, पानी और आवश्यक बुनियादी ढांचे जैसी प्रणालियों को निशाना न बनाया जाए। लेकिन युद्धक्षेत्र कानून से अधिक तेज़ी से बदल रहा है। आज बिजली ग्रिड पर हमला शहरों को ठप कर देता है। अर्थव्यवस्थाएं डेटा नेटवर्क पर निर्भर हैं। आपूर्ति शृंखला की सततता पर राष्ट्र टिके हैं। इन प्रणालियों का महत्व कम नहीं। वे अपने आप में समाज हैं। और फिर भी, उन्हें निशाना समझा जा रहा। हमें नए सिद्धांतों की ज़रूरत नहीं, मौजूदा सिद्धांतों को उन युद्धों में लागू करने के लिए अनुशासन की ज़रूरत है, जो जारी हैं।

लेखक सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर और पुणे इंटरनेशनल सेंटर के संस्थापक ट्रस्टी हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

जवाहर नगर में पेवर ब्लाक निर्माण की गुणवत्ता पर सख्त हुई महापौर अलका बाघमार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत पटरी पार वार्ड क्रमांक 18, जवाहर नगर में प्रगति पर चल रहे सड़क पेवर ब्लाक निर्माण कार्य का आज महापौर अलका बाघमार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, उप अभियंता पंकज साहू सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। महापौर ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता, पेवर ब्लाक की मोटाई, बेस लेयर की मजबूती तथा उपयोग में लाई जा रही सामग्री का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य स्थल पर ही अधिकारियों से जानकारी लेते हुए स्पष्ट कहा कि शहर में चल रहे विकास कार्यों में गुणवत्ता सर्वोपरि है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान महापौर ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी कार्य में मानक के अनुरूप गुणवत्ता नहीं पाई जाती है, तो संबंधित निर्माण कार्य को तत्काल उखड़वाकर पुनः कराया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जो ठेकेदार निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण नहीं करेंगे या घटिया कार्य करेंगे, उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। महापौर की उपस्थिति में लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर ने स्वयं टेप लेकर सड़क की लंबाई, चौड़ाई एवं पेवर ब्लाक की मोटाई की नापजोख की।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने किया विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा सोमवार सुबह 08 बजे शहर के विभिन्न विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने आईटी पार्क, नालंदा परिसर एवं सिविल लाइन क्षेत्र में चल रहे पेवर ब्लॉक कार्यों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता एवं संबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे। आयुक्त ने सभी स्थलों पर कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किए जाएं, ताकि नागरिकों को जल्द से जल्द बेहतर सुविधाएं मिल सकें। आईटी पार्क का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने शेष बचे कार्यों को प्राथमिकता के साथ तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देशित किया कि 15 दिनों के भीतर कार्य पूर्ण कर आईआईटी भिलाई को हस्तांतरित किया जाए। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी। नालंदा परिसर निर्माण स्थल का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए।

भाजपा स्थापना दिवसः राष्ट्र सेवा और विकास के 47 वर्ष पूर्ण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में सोमवार को जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में ध्वजारोहण एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, महापौर अलका बाघमार सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम के तहत चित्र प्रदर्शनी भी लगाई गई तथा दुर्ग शहर केंद्रीय जेल के पास स्थित पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी एवं बस स्टैंड हाउसिंग बोर्ड परिसर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया।

जला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि 6 अप्रैल 1980 को पार्टी का गठन राष्ट्र सेवा के उद्देश्य से हुआ था। उन्होंने कहा कि भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद और पंचनिष्ठा के सिद्धांतों पर आधारित संगठन है। कौशिक ने कहा कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा में आगे बढ़ाने का माध्यम है। कार्यक्रम की प्रमुख बातें .. ध्वजारोहण के साथ स्थापना दिवस का शुभारंभ, संगोष्ठी एवं विचार-विमर्श का आयोजन चित्र प्रदर्शनी का आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी एवं दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की सहभागिता कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री दिलीप साहू ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मंत्री गायत्री वर्मा ने किया। इस अवसर पर भाजपा के विभिन्न मोर्चों, प्रकोष्ठों एवं मंडलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का हिस्सा होना गर्व की बात – सरोज पांडेय

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सरोज पांडेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है, जिसका श्रेय लाखों कार्यकर्ताओं के परिश्रम और समर्पण को जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण है और इसी विचारधारा के आधार पर पार्टी देश के विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लें।

बार एवं रॉड मिल की वित्तीय वर्ष 2025-26 में अभूतपूर्व उपलब्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 10,56,373 टन उत्पादन कर एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल किया। इसी अवधि में बीआरएम ने 10,59,905 टन डिस्पैच दर्ज कर एक और ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया।

बीआरएम ने उत्पादन एवं प्रेषण के क्षेत्र के अतिरिक्त तकनीकी मानकों में भी सर्वोच्च प्रदर्शन दर्ज किया। स्पेसिफिक हीट एवं पावर खपत, स्पेसिफिक रोल खपत, टोटल यील्ड, मिल यूटिलाइजेशन, हॉट-अवर तथा मिल उपलब्धता जैसे प्रमुख मानकों में अब तक के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े प्राप्त किए गए।

वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में मिल ने व्यावसायिक क्षेत्र में भी सशक्त प्रदर्शन करते हुए अनेक चुनौतीपूर्ण प्रोफाइल रोल कर अपनी उत्पाद श्रृंखला को निरंतर समृद्ध किया। इस दौरान 1 मिलियन टन से अधिक उत्पादन का आंकड़ा पार कर मिल ने तकनीकी दक्षता के साथ-साथ बाजार में संयंत्र की सुदृढ़ स्थिति को भी और सशक्त बनाया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार सहित सयंत्र के उच्च प्रबंधन ने बीआरएम की टीम एवं कर्मचारियों को बधाई दी तथा उनका उत्साहवर्धन किया। निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने इस उपलब्धि के लिए पूरी टीम को कहा कि इसके पीछे टीमवर्क, समर्पण और प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मिल की दक्षता, उन्नत तकनीकी क्षमता एवं कर्मियों की निष्ठा का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सभी कार्यपालक निदेशकों ने भी कार्मिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम) योगेश शास्त्री ने इसे बीआरएम के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह पूरी टीम के सामूहिक प्रयास, कड़ी मेहनत एवं नवाचार का परिणाम है। उन्होंने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध मेंटेनेंस पर विशेष बल दिया। वहीं महाप्रबंधक सच्चिदानंद त्रिपाठी ने टीम को आगामी लक्ष्यों के प्रति प्रेरित करते हुए शीर्ष प्रबंधन को आश्वस्त किया कि बीआरएम वार्षिक लक्ष्यों की पूर्ति के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रहेगा।

इस अवसर पर महाप्रबंधकगण आशीष, शाश्वत मोहंती,समीर पांडे तथा शिखर तिवारी सहित अन्य अधिकारियों ने भी समस्त मिल बिरादरी को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मध्यस्थता 2.0 विशेष अभियान को सफल बनाने महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा आज जिला न्यायालय परिसर स्थित सभागार में मीडिएटर न्यायाधीशों एवं मीडिएटर अधिवक्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक ली गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य मध्यस्थता 2.0 विशेष अभियान को अधिक प्रभावी एवं सफल बनाना रहा।

बैठक में मध्यस्थता एवं सुलह के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य सुनिश्चित करने हेतु भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्थापित मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा जारी दिशा-निर्देशों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। मीडिएटर अधिवक्ताओं द्वारा कार्य निष्पादन के दौरान आने वाली व्यवहारिक समस्याओं को गंभीरता से सुना गया एवं उनके त्वरित एवं व्यावहारिक समाधान हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर मीडिएटरों के वर्तमान प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए उसमें गुणात्मक सुधार लाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, मध्यस्थता के दौरान होने वाले समझौतों की शर्तों एवं उनकी तकनीकी बारीकियों को स्पष्ट करते हुए प्रभावी एवं विधिसम्मत समझौते सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में 'मध्यस्थता 2.0 विशेष अभियान की निर्धारित समयावधि में अधिक से अधिक प्रकरणों के सफल निराकरण हेतु व्यावहारिक रणनीतियों पर भी चर्चा की गई।

मंत्री गजेन्द्र यादव की पहलः दुर्ग में केनाल रोड निर्माण हेतु 6.64 करोड़ की स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों को शीघ्र ही यातायात सुविधा की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल पर राज्य शासन के वित्त विभाग द्वारा दुर्ग में केनाल रोड निर्माण के लिए 6 करोड़ 64 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात शीघ्र ही भूमि पूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। प्रस्तावित केनाल रोड साइंस कॉलेज के समीप से ग्रीन चौक तक निर्मित किया जाएगा, जिसकी कुल लंबाई लगभग 1100 मीटर एवं चौड़ाई 10 मीटर होगी। यह मार्ग दुर्ग शहर का पहला केनाल रोड होगा, जो शहर के यातायात तंत्र को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दुर्ग शहर में लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए यह सड़क एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में विकसित होगी, जिससे प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम होगा और नागरिकों को आवागमन में सुगमता प्राप्त होगी। इसके साथ ही क्षेत्र के समग्र शहरी विकास को भी गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि दुर्गवासियों की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को ध्यान में रखते हुए बीते वर्ष मुख्यमंत्री के दुर्ग प्रवास के दौरान केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव (तत्कालीन विधायक) ने केनाल रोड निर्माण का प्रस्ताव रखा था। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए वित्त विभाग ने इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि दुर्ग शहर के समग्र विकास और नागरिकों की सुविधा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

केनाल रोड के निर्माण से न केवल यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं भी खुलेंगी। उन्होंने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री एवं वित्त विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में दुर्ग को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित शहर बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

इसके साथ ही केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार दुर्ग शहर में सड़कों, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु लगातार विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान कर रहे है। केनाल रोड जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं न केवल शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेंगी, बल्कि नागरिकों को बेहतर जीवन सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगी।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में एचएमआईएस अपॉइंटमेंट मॉड्यूल का शुभारंभ, स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटल रूपांतरण की दिशा में कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटल रूपांतरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) के अपॉइंटमेंट मॉड्यूल का शुभारंभ किया गया। यह मॉड्यूल मरीजों की सुविधा बढ़ाने एवं अस्पताल की कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित एवं कुशल बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

इस मॉड्यूल का औपचारिक उद्घाटन दिनांक 06 अप्रैल 2026 को कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर एवं (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय कुमार सहित एचएमआईएस क्रियान्वयन टीम के सदस्य उपस्थित रहे। अपने संबोधन में कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम ने स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल फर्स्ट दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि बीएसपी स्वास्थ्य मित्र मोबाइल एप एवं एचएमआईएस वेब पोर्टल के एकीकरण से मरीजों के प्रतीक्षा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा पंजीकरण काउंटरों पर लगने वाली लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को पारदर्शी, त्वरित एवं मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी ने कहा कि यह अपॉइंटमेंट मॉड्यूल अस्पताल के व्यापक डिजिटल इकोसिस्टम का एक महत्वपूर्ण अंग है, जिसमें पहले ही ओपीडी, फार्मेसी एवं लैब सेवाओं में सफलतापूर्वक डिजिटल प्रणाली लागू की जा चुकी है।

नवप्रवर्तित एचएमआईएस अपॉइंटमेंट मॉड्यूल में उपयोगकर्ता-अनुकूल सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके माध्यम से मरीज अब बीएसपी स्वास्थ्य मित्र एप अथवा एचएमआईएस वेब पोर्टल के जरिए दूरस्थ रूप से ओपीडी अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। प्रणाली में चिकित्सकों की उपलब्धता एवं विभागीय समय-सारणी की रियल-टाइम जानकारी उपलब्ध होती है, जिससे मरीज अपनी सुविधा अनुसार अपॉइंटमेंट निर्धारित कर सकते हैं। साथ ही, डिजिटल टोकन की सुविधा के कारण मरीज निर्धारित समय पर ही अस्पताल पहुंच सकते हैं, जिससे भीड़भाड़ में कमी आएगी। इस प्रणाली की एक प्रमुख विशेषता इसका फ ार्मेसी एवं लैब की डिजिटल सेवाओं के साथ एकीकृत होना है, जिससे मरीजों को विभिन्न विभागों में निर्बाध एवं पेपरलेस सेवाएं प्राप्त होंगी। कार्यक्रम के दौरान एचएमआईएस टीम द्वारा अस्पताल के डिजिटल रोडमैप का भी प्रस्तुतीकरण किया गया। अस्पताल के वार्डों में एचएमआईएस प्रणाली का क्रियान्वयन प्रारंभ हो चुका है।

जिला अधिवक्ता संघ के रमेश शर्मा अध्यक्ष और रविशंकर सिंह बने सचिव

लगातार 5 बार सचिव निर्वाचित होने का रविशंकर ने बनाया रिकॉर्ड, प्रशांत जोशी, पूजा मोंगरी उपाध्यक्ष, साकेत आर मिश्रा कोषाध्यक्ष, राकेश यदु सह-सचिव निर्वाचित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के रमेश शर्मा नए अध्यक्ष बने है। उन्होने दो वर्षीय कार्यकाल वाले संघ के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में संघ की पूर्व अध्यक्ष नीता जैन को 268 वोटों से पराजित किया। श्री शर्मा ने यह जीत दर्ज कर दूसरी बार अध्यक्ष बनने का गौरव हासिल किया है। इस चुनाव में रमेश शर्मा 604 वोट, नीता जैन 336 वोट, उमाभारती साहू 218 वोट और गुलाब सिंह पटेल को 177 वोट मिले।

अध्यक्ष पद के अन्य प्रत्याशी 50 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। वहीं रविशंकर सिंह ने कड़े मुकाबले में जीत दर्ज कर लगातार 5 बार संघ का सचिव निर्वाचित होने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होने अपने निकटतम प्रत्याशी विजय कुमार चौधरी को 167 वोटों के अंतर से हराया। चुनाव में रविशंकर सिंह 636 वोट, विजय कुमार चौधरी 469 वोट व हेमंत कुमार मिश्रा ने 307 वोट हासिल किए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर प्रशांत कुमार जोशी लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करने में कामयाब रहे। श्री जोशी ने ब्रजेश शुक्ला को 261 वोटों से पराजित किया। इसी प्रकार कनिष्ठ उपाध्यक्ष पूजा मोंगरी, सह-सचिव राकेश यदु, सह-सचिव (महिला आरक्षित) कुमारी संध्या, कोषाध्यक्ष साकेत आर मिश्रा, ग्रंथालय सचिव ज्ञानप्रकाश तिवारी, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव रविशंकर मानिकपुरी, महिला आरक्षित सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव पद पर कुमारी दशोदा निर्वाचित घोषित किए गए है। नव-निर्वाचित कोषाध्यक्ष साकेत आर मिश्रा पूर्व में संघ के कार्यकारिणी सदस्य पद के दायित्व को बखूबी संभाल चुके है, वहीं रविशंकर मानिकपुरी ने तीसरी बार सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव पद पर अपना परचम लहराया है। यह चुनावी परिणाम सोमवार को घोषित किए गए। चुनाव के नतीजे आने के साथ ही विजयी प्रत्याशियों के स्वागत का दौर शुरु हो गया। अधिवक्ताओं द्वारा मिठाईयां बांटकर और गाजे-बाजे की धुन में नाच गाकर अपनी खुशियों का ईजहार किया गया। जिससे पूरा न्यायालय परिसर खुशियों से गुलजार रहा।

बता दें कि जिला अधिवक्ता संघ के कुल 17 पदों के लिए शनिवार को अधिवक्ताओं ने उत्साह के साथ मतदान किया था। इस चुनाव में कुल 64 प्रत्याशी मैदान में थे। इस चुनाव में कुल 1702 मतदाताओं में से 1454 मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान का कुल प्रतिशत 85.50 रहा। बुथ क्रमांक-1 में 227, बूथ क्रमांक-2 में 276, बूथ क्रमांक-3 में 243, बूथ क्रमांक-4 225, बूथ क्रमांक-5 में 239, बूथ क्रमांक 6 में 244 मत पड़े थे। रविवार को सुबह 9 बजे से देर रात तक पदाधिकारी पदों की मतगणना पूरी की गई।

सोमवार को 7 कार्यकारिणी सदस्य पद के चुनाव की मतगणना की गई। जिसके उपरांत अंतिम चुनाव परिणाम घोषित किए गए। यह चुनावी प्रक्रिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजीव पांडेय के मार्गदर्शन में पूरी की गई। जिसमें उप मुख्य चुनाव अधिकारी इसराईल शरीफ मुरली मनोहर देवांगन, राजेश महाडिक, श्याम मिश्रा, हरेन्द्र प्रसाद शाह,असीम कुमार सिंह व टीम के अन्य सदस्यों ने सहयोग दिया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

प्रमुख खबरें

उत्तर बस्तर कांकेर : पंचायत सचिव भर्ती हेतु वरीयता सूची जारी

उत्तर बस्तर कांकेर। जिले में 18 ग्राम पंचायतों सचिवों के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए पात्र पाए गए अभ्यर्थियों की गत कम्प्यूटर कौशल परीक्षा आयोजित की गई तथा कौशल परीक्षा के बाद ग्राम पंचायतों सचिव पद के लिए वरीयता सूची जारी कर दी गई है। जिसे जिला पंचायत कांकेर के सूचना पटल के साथ ही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कांकेर, चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, दुर्गूकोंदल, अंतागढ़ एवं कोयलीबेड़ा के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है। जिले के वेबसाईट https://kanker.gov.in/ पर भी अपलोड किया गया है, जिसका अवलोकन किया जा सकता है।

अजा/अजजा उत्कर्ष योजना के अंतर्गत 'ईओआई' आमंत्रित

उत्तर बस्तर कांकेर। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के क्रियान्वयन के संबंध में वर्ष 2026-27 हेतु संस्थाओं के इम्पैनलमेंट के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कांकेर द्वारा 23 अप्रैल तक 'रूचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित की गई है। मापदण्ड एवं विस्तृत जानकारी आदिवासी विभाग की वेबसाइट https://www.tribal.cg.gov.in/ का अवलोकन कर प्राप्त किया जा सकता है। योजना का उद्देश्य अजा एवं अजजा वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, नयी सोच के साथ बेहतर कॅरियर के अवसर प्रदान करना तथा उन्हें बहुमुखी व्यक्तित्व विकास के लिए अवसर प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ राज्य के उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में नि:शुल्क अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

अग्निवीर आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, 10 अप्रैल तक करें आवेदन

एमसीबी। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। भारतीय सेना द्वारा अग्निवीर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की गई है, जिसके तहत इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि पूर्व में 01 अप्रैल 2026 निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर अब 10 अप्रैल 2026 कर दिया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के अंतर्गत अग्निवीर (जनरल ड्यूटी), अग्निवीर (टेक्निकल), अग्निवीर (क्लर्क/स्टोर कीपर), अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं एवं 10वीं पास) के पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अतिरिक्त सिपाही (फार्मा) पद के लिए भी आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अविवाहित पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी, जिनकी जन्मतिथि 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के बीच है, आवेदन कर सकते हैं।

5.36 करोड़ की सड़क का उपमुख्यमंत्री शर्मा ने किया भूमिपूजन, गन्ना परिवहन में किसानों की राह होगी आसान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कबीरधाम जिले में आधारभूत संरचना को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बिलासपुर मार्ग से दौजरी होते हुए नाऊडिह तक 4.20 किलोमीटर लंबाई के महत्वपूर्ण मार्ग के मजबूतीकरण एवं निर्माण कार्य का आज शुभारंभ किया गया। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने ग्राम नाऊडिह में 5 करोड़ 36 लाख 58 हजार रुपए की लागत से बनने वाले इस सड़क, पुल पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर कार्य की शुरुआत की।

यह मार्ग क्षेत्र के किसानों की महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में जाना जाता है, जो मुख्य जिला मार्ग रबेली - प्रतापपुर को राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 से सीधे जोड़ते हुए आवागमन की मुख्य धुरी का कार्य करता है। इस मार्ग से किसानों को भोरमदेव शक्कर कारखाना तक पहुंचने में अब बड़ी सुविधा मिलेगी। लंबे समय से जर्जर स्थिति में होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसे अब दूर करने की दिशा में ठोस पहल की गई है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने किसानों को ऋण पुस्तिका का वितरण किया। उन्होंने खेल मैदान के निर्माण के लिए घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, आवास, किसान हित और महिला सशक्तिकरण से जुड़े अनेक कार्य तेजी से धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे गांवों की तस्वीर बदल रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनहित के संकल्प को लेकर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं के खातों में हर माह 1 हजार की राशि डाली जा रही है। अब तक 25 किस्तों के माध्यम से प्रत्येक महिला के खाते में 25 हजार की राशि पहुंच चुकी है, जिससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति सशक्त हो रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबसे पहला बड़ा निर्णय प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृति का लिया गया। एक साथ 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी गई, जो एक ऐतिहासिक कदम है। इसके साथ ही आवास प्लस का सर्वे भी पूरा हो चुका है और पात्र हितग्राहियों को आगे भी आवास उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि गांवों में विकास कार्यों की गति लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसकी सफलता के लिए ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है।

उन्होंने सभी ग्रामवासियों से विकास कार्यों में सहयोग देने और योजनाओं का लाभ लेने कहा। देश के व्यापक परिप्रेक्ष्य में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए और इसमें सफलता मिली। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि क्षेत्र में किसान हितों को ध्यान में रखते हुए तहसील कार्यालय परिसर में किसान सदन का निर्माण भी किया गया है, जिससे किसानों के विश्राम के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

इस मार्ग पर क्षेत्र के हजारों किसान अपने गन्ना उत्पादन को ट्रैक्टरों के माध्यम से शक्कर कारखानों तक पहुंचाते हैं। सड़क के मजबूत और सुगम होने से परिवहन व्यवस्था आसान होगी, लागत घटेगी और किसानों की आय में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

सड़क निर्माण से न केवल किसानों बल्कि आम नागरिकों और विद्यार्थियों को भी बड़ी राहत मिलेगी। गांवों से शहर तक पहुंचना अब आसान होगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों तक पहुंच बेहतर होगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से इस महत्वपूर्ण मार्ग के निर्माण की स्वीकृति मिली है। यह परियोजना ग्रामीण अंचलों को मुख्य मार्गों से जोड़ते हुए क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान करेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान कृषक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, श्री नितेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही।

रायगढ़ में तीन, धमतरी और बलौदाबाजार में बनेंगे 2-2 बायपास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम करने तथा तेज व सुव्यवस्थित यातायात के लिए लोक निर्माण विभाग ने हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में नौ बायपास सड़कों के लिए कुल 448 करोड़ 13 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने स्थानीय लोगों की मांगों व जरूरतों को देखते हुए इन बायपास सड़कों के लिए प्राथमिकता से राशि मंजूर करने के निर्देश दिए थे।

लोक निर्माण विभाग द्वारा रायगढ़ जिले में तमनार बायपास मार्ग के लिए 152 करोड़ 17 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इस राशि से 6 किमी बायपास सड़क का निर्माण किया जाएगा। विभाग ने रायगढ़ शहर में रिंग रोड (बायपास मार्ग) के लिए 70 करोड़ 47 लाख रुपए मंजूर किए हैं।

खरसिया के बायपास क्रमांक-3 कबीर चौक से डभरा रोड तक 2 किमी सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए भी 7 करोड़ 22 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

विभाग ने धमतरी जिले में 4 किमी लंबाई के भखारा बायपास के लिए 14 करोड़ 94 लाख रुपए तथा 1.50 किमी लंबाई के नारी बायपास मार्ग के लिए 7 करोड़ 97 लाख रुपए मंजूर किए हैं। बलौदाबाजार में लटुवा, पनगांव होते हुए 15 किमी लंबे बलौदाबाजार बायपास सड़क के लिए 88 करोड़ 68 लाख रुपए एवं 7 किमी लंबे रिसदा बायपास मार्ग के लिए 20 करोड़ 99 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

लोक निर्माण विभाग ने बिलासपुर में 13.40 किमी कोनी-मोपका फोरलेन बायपास मार्ग के लिए 82 करोड़ 80 लाख रुपए तथा बेमेतरा जिले में 1.20 किमी कांक्रीटीकृत छिरहा बायपास सड़क के लिए 2 करोड़ 89 लाख रुपए की भी मंजूरी दी है।

राज्य शासन शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में निर्बाध, तेज और सुरक्षित यातायात उपलब्ध कराने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। ट्रैफिक का दबाव कम करने बायपास सड़कों, पुलों और ओवरब्रिजों का निर्माण प्राथमिकता से किया जा रहा है। इससे आवागमन और अधिक स्मूथ, तेज एवं व्यवस्थित होगा। हम प्रदेश के समग्र विकास के लिए आधुनिक और मजबूत सड़क अधोसंरचना लगातार विकसित कर रहे हैं।

– अरुण साव, उप मुख्यमंत्री एवं तथा लोक निर्माण मंत्री

महतारी वंदन योजना से प्रदेश की महिलाओं को मिला आर्थिक सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महतारी वंदन योजना प्रदेशभर की महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने में आत्मनिर्भर बन रही हैं।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से इस योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम परसाभदेर की निवासी श्रीमती चारबाई निषाद भी इस योजना से लाभान्वित महिलाओं में शामिल हैं। सीमित आय वाले परिवार से होने के कारण उनके लिए घर का खर्च चलाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अब महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि उनके परिवार के लिए सहारा बन गई है।

श्रीमती चारबाई बताती हैं कि इस आर्थिक सहयोग से उन्हें घरेलू खर्चों और आवश्यक वस्तुओं की खरीदी में सुविधा मिल रही है। अब उन्हें छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। यह योजना न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि कर रही है।

महतारी वंदन योजना के माध्यम से राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। योजना का लाभ उठाकर प्रदेश की लाखों महिलाएं अपने परिवार की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

कसनिया में नए विद्युत उपकेंद्र का मंत्री ने किया उद्घाटन

- 33/11 केवी नवनिर्मित विद्युत उपकेंद्र प्रारंभ
- 5000 से अधिक बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगा फायदा - लखन लाल देवांगन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश सरकार द्वारा विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कटघोरा के कसनिया में नवनिर्मित 33/11 केवी उपकेंद्र का विधिवत लोकार्पण किया गया। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम, सार्वजनिक उपक्रम तथा आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने उपकेंद्र का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर सहित वरिष्ठ अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

यह उपकेंद्र 1 करोड़ 82 लाख रुपये की लागत से निर्मित किया गया है तथा इसकी स्थापित क्षमता 3.15 एमवीए है।

उपकेंद्र के प्रारंभ होने से कटघोरा, कापूबहरा, सुतर्रा, मोहनपुर, अमरपुर, घूँचापुर, दादर, लखनपुर, राल सहित कटघोरा नगर के 4 वार्डों के लगभग 5,000 से अधिक उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्तापूर्ण एवं स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

पूर्व में एकमात्र सबस्टेशन पर बढ़ते लोड के कारण बार-बार होने वाली ओवरलोडिंग एवं तकनीकी बाधाओं से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। नए उपकेंद्र से न केवल विद्युत आपूर्ति में निरंतरता रहेगी बल्कि तकनीकी समस्याओं का तत्काल निराकरण भी संभव हो सकेगा।

मुख्य अतिथि मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपकेंद्र कटघोरा क्षेत्र के विकास में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने लोगों से विभागीय योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आग्रह किया। कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने नवीन उपकेंद्र को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया और आमजन से सूर्यघर मुफ्त बिजली बिल योजना अपनाने की अपील की।

ई-ऑफिस में स्पष्ट अभिमत के साथ करें फाईलिंग : बोरा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष में गत वर्ष के आय-व्यय एवं नए वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग द्वारा कुल बजट का 68 प्रतिशत व्यय किया गया है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु जो बजट आंबटित किया जाता है उसका पूर्ण लाभ हितग्राही वर्ग को मिलना चाहिए। इसके लिए वर्ष के प्रारंभ से ही एक कार्ययोजना बनाकर उसपर अमल किया जाए। इस हेतु सभी प्रभारी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य संपादित करना चाहिए। श्री बोरा ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में व्यय को 80 प्रतिशत किए जाने का लक्ष्य दिया है।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व एवं मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में विभाग प्रगति ओर अग्रसर है। विभागीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन को देखते हुए भारत सरकार से वित्तीय वर्ष 2025-26 में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान हेतु 732 करोड़, 21 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों हेतु 915 करोड़ तथा अनुच्छेद 275 (1) अंतर्गत 170 करोड़ की राशि प्राप्त हुई है, यह विभाग के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है, जो आगामी दो वर्षों में इन सभी कार्यों के सफल क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ के विकास को गति मिलेगी।

बैठक में आदिम जाति विकास विभाग के अलावा आदिम जाति अनुंसधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, अनुसूचित जाति विकास विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा छ.ग. राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के वित्तीय वर्ष 2025-26 अंतर्गत आय-व्यय की भी समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त सचिव बीके राजपूत, अनुपम त्रिवेदी, वित्त नियंत्रक लाजरूस मिंज, अपर संचालक संजय गौड़, आरएस भोई, उपायुक्त गायत्री नेताम, प्रज्ञान सेठ, एलआर कुर्रे, विश्वनाथ रेडडी, मेनका चंद्राकर, कार्यपालन अभियंता त्रिदीप चक्रवर्ती सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

लिंगाडीह मखाना सेंटर पहुंचे कृषि मंत्री नेताम, बनेगा हब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ मखाना हब बनेगा। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम आज रायपुर जिले अंतर्गत आरंग के लिंगाडीह में मखाना सेंटर का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि रायपुर, धमतरी, गरियाबंद और बालोद क्षेत्र सहित प्रदेश में मखाना की खेती की संभावना अत्यधिक है। उन्होंने मखाना उत्पादन क्षेत्रों व जिलों को सर्किट के रूप में विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने मखाना खेती के विस्तार की संभावनाओं की जानकारी ली और कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को मखाना हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री को जानकारी दी कि आरंग क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में लगभग 50 से 60 हेक्टेयर क्षेत्र में मखाना की खेती की जा रही है, जहां ग्रेड-6 गुणवत्ता का मखाना उत्पादन हो रहा है। इसकी बाजार में अच्छी मांग होने से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है।

मंत्री श्री नेताम ने बताया कि मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रायपुर, धमतरी, गरियाबंद एवं बालोद जिलों को जोड़ते हुए मखाना सर्किट के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके माध्यम से उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण एवं विपणन की समेकित व्यवस्था तैयार की जाएगी, जिससे किसानों को बेहतर बाजार और उचित मूल्य मिल सके।

दौरे के दौरान मंत्री ने मखाना सेंटर में तैयार उत्पादों का अवलोकन किया तथा स्वयं मखाना चखकर उसकी गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वैज्ञानिक पद्धति से खेती, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा आधुनिक प्रसंस्करण इकाइयों के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जाए।

मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कृषि विविधीकरण, प्राकृतिक खेती, खाद्य प्रसंस्करण एवं मिलेट्स और पारंपरिक फसलों को बढ़ावा देने हेतु संचालित योजनाओं का लाभ छत्तीसगढ़ के किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर गठित मखाना बोर्ड की योजनाओं से राज्य के किसानों को जोड़ते हुए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण एवं विपणन सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार के समन्वित प्रयासों से मखाना किसानों के लिए आय का नया विकल्प बनेगी और छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख मखाना उत्पादक राज्यों में शामिल होगा।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने आज रायपुर जिले के खरोरा क्षेत्र अंतर्गत मधेपुरा एवं बुढ़ेरा ग्राम के दौरे पर भी पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को नवाचार आधारित कृषि मॉडल को गांव-गांव तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

मंत्री ने टिशू कल्चर लैब का अवलोकन कर केला, सागौन, बांस एवं अन्य पौधों के उन्नत उत्पादन की प्रक्रिया की जानकारी ली। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य बीज विकास निगम के कॉमन फैसिलिटी सेंटर में पशु आहार, पोल्ट्री फीड, मत्स्य आहार एवं मिलेट्स आधारित उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने मूल्य संवर्धन एवं कृषि आधारित उद्योगों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि मखाना उत्पादन में प्रसंस्करण की महत्वपूर्ण भूमिका है। कच्चे बीज के बजाय प्रोसेस कर तैयार मखाना बेचने से किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। एक किलोग्राम बीज से 200 से 250 ग्राम पॉप तैयार होता है, जिसकी बाजार कीमत 700 से 1000 रुपये प्रति किलोग्राम तक है।

नक्सलवाद का अंधेरा छोड़ शर्मिला ने उठाई स्वावलंबन की सुई, प्रशिक्षण के साथ ही मिल रही अच्छी सुविधाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर संभाग के नक्सल मुक्त घोषित होने के बाद अब हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौटने वाले युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखने लगा है। बीजापुर की शर्मिला पोयामी इसकी मिसाल बन गई हैं। कभी हाथों में बंदूक थामी थी, लेकिन आज वे लाइवलीहुड कॉलेज में सुई-धागे से भविष्य के सपने बुन रही हैं।

भैरमगढ़ ब्लॉक की रहने वाली 19 वर्षीय शर्मिला कभी भैरमगढ़ एरिया कमेटी की सक्रिय सदस्य थीं। गुरिल्ला युद्ध और हथियारों का प्रशिक्षण लेने वाली शर्मिला को जल्द ही अहसास हो गया कि प्रगति का मार्ग बंदूक से नहीं, बल्कि शांति और शिक्षा से निकलता है। इसी संकल्प के साथ उन्होंने 07 फरवरी 2026 को आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया। राज्य शासन की पुनर्वास नीति के तहत शर्मिला को दंतेवाड़ा के लाइवलीहुड कॉलेज में प्रवेश दिलाया गया। बीते 45 दिनों से वे यहाँ सिलाई का गहन प्रशिक्षण ले रही हैं। अब वे आधुनिक परिधान जैसे सूट और ब्लाउज सिलने की बारीकियां सीख रही हैं। उनका लक्ष्य गाँव लौटकर सिलाई केंद्र खोलना और अपनी 4 एकड़ पुश्तैनी जमीन पर आधुनिक खेती कर परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करना है। शर्मिला ने बताया कि पहली बार शासन की ओर से इतनी बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं, पौष्टिक आहार, कॉलेज में नियमित रूप से अंडा, मछली, चिकन और हरी सब्जियां दी जा रही हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य में बड़ा सुधार हुआ है। सक्रिय सहभागितारू बढ़ते आत्मविश्वास का ही परिणाम है कि उन्होंने हाल ही में जगदलपुर में आयोजित मैराथन दौड़ में भी हिस्सा लिया। शर्मिला की दीदी मुड़ो पोयामी (पूर्व नक्सल सदस्य) भी मुख्यधारा में लौटकर आत्मनिर्भरता की राह पर हैं। शिक्षा और कौशल की ताकत को समझने के बाद शर्मिला अब अपने क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं के प्रति भी सजग हैं। वे चाहती हैं कि उनके गाँव की कच्ची सड़कों और पेयजल की समस्याओं का जल्द निराकरण हो ताकि विकास की यह लहर सुदूर अंचलों तक पहुँचे। शर्मिला का यह संघर्षपूर्ण सफर हिंसा से विकास की ओर बढ़ते नए छत्तीसगढ़ की पहचान बन गया है।

मोनालिसा ने उठाए रजत दलाल की परवरिश पर सवाल

कहा — फेम पाने के लिए कर रहे घटिया हरकत

रियलिटी शो द 50 खत्म हो गया है लेकिन इस शो से शुरू हुए विवाद शांत नहीं हो रहे हैं। इन दिनों रजत अपनी शादी के साथ मोनालिसा के साथ हुए विवाद पर भी खुलकर बात कर रहे हैं, हालांकि अब बिना नाम लिए मोनालिसा ने रजत दलाल पर पलटवार किया है और अपने करियर की अचीवमेंट के बारे में बात की।

एक्ट्रेस मोनालिसा का कहना है कि कुछ लोग रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया,जिसमें वो बिना नाम लिए रजत दलाल पर निशाना साध रही हैं। रजत दलाल ने हाल ही में कहा था कि उन्हें मोनालिसा की कही किसी भी बात से फर्क नहीं पड़ता है। अब अभिनेत्री ने वीडियो जारी कर कहा, कुछ लोग रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं, क्योंकि उनकी असली जिंदगी भी फेक है। जब ऐसी हरकत करेंगे, तभी तो दिखेंगे।

उन्होंने आगे कहा, किसी को मेरे गुस्से से क्यों फर्क पड़ेगा, क्योंकि शो के अंदर हमने उनकी तरह गाली नहीं दी। अब शो के बाहर भी वो कुछ भी बोल रहे हैं और उनके पेड पीआर करने वाले लोगों की कोई सीमा नहीं है। हमें एक से बढ़कर एक घटिया बातें सुनने को मिल रही हैं। मेरी मां और परिवार को लेकर गलत बातें की जा रही हैं। अगर मेरी वजह से किसी और के साथ ऐसा होता तो मैं खुद उस मामले को रोकती, क्योंकि मेरी परवरिश ऐसी नहीं है। यहां लोग फैन पाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

अभिनेत्री ने बहुत बड़ा वीडियो पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने रजत दलाल और उनके फैंस को करारा जवाब दिया है। उन्होंने यह भी साफ किया है कि उन्हें फेम की जरूरत नहीं है क्योंकि वे वर्षों से इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं हैं। मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा, कुछ बातें बोलना जरूरी था। द-50, 100 से ऊपर भोजपुरी फिल्में, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ फिल्में, बिग बॉस-10, नच बलिए 8, नजर सबसे लोकप्रिय सुपरनैचुरल शो और भी बहुत कुछ, जिसे मैं भी भूल रही हूं। लोगों ने मुझे बहुत प्यार दिया। इसके बाद भी मुझे आपके जरूरी फेम नहीं चाहिए भाई।

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 2 के साथ लौटेंगे शाहिद कपूर-कृति सैनन

शाहिद कपूर और कृति सैनन की साइंस-फिक्शन फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 2024 में रिलीज हुई थी। खबर है कि निर्माताओं ने इसके सीक्वल की तैयारी शुरू कर दी है। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म रोबोटिक्स इंजीनियर और उसकी रोबोट गर्लफ्रेंड पर आधारित थी जिसे लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल हुई। फिल्म के क्लाइमैक्स में संकेत मिला था कि कहानी सीक्वल के साथ आगे बढ़ेगी। शाहिद और कृति अपने किरदारों को दोहराते दिखाई दे सकते हैं।

सूत्रों के हवाले से बताया कि सीक्वल में जाह्नवी कपूर भी अहम भूमिका के साथ शामिल हो सकती हैं। दरअसल, फिल्म के आखिर में उन्होंने कैमियो किया था। सीक्वल पर बात करते हुए सूत्र ने कहा, कहानी वहीं से शुरू होगी जहां पिछली फिल्म खत्म हुई थी। फिलहाल स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है और अगस्त तक स्क्रिप्ट तैयार होने की उम्मीद है। निर्माता 2027 की पहली तिमाही में शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

इससे पहले, फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में कृति ने तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के सीक्वल की पुष्टि की थी। उन्होंने स्वीकारते हुए कहा था, तेरी बातों में ऐसा... सीक्वल की स्क्रिप्ट पर फिलहाल काम चल रहा है। हम दोनों ही इसे जल्द से जल्द देखना चाहते हैं। अमित जोशी और अराधना शाह द्वारा निर्देशत इस फिल्म में धर्मेंद्र और डिंपल कपाडिया जैसे दिग्गज कलाकार समेत ग्रुशा कपूर, अनुभा फतेहपुरिया और आशीष वर्मा भी शामिल थे।

52 साल की मलाइका अरोड़ा ने बताया अपना फिटनेस मंत्रा

बोलीं- 'आप किसी भी उम्र के हों'

मलाइका अरोड़ा 52 साल की हो चुकी हैं लेकिन उनकी फिटनेस कमाल की है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना फिटनेस सीक्रेट फैंस के साथ शेयर किया है। मलाइका अरोड़ा 52 साल की उम्र में भी खुद को फिटनेस को लेकर काफी सीरियस रहती हैं।

इसके लिए वह काफी मेहनत भी करती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने बढ़ती उम्र, फिटनेस को लेकर बातचीत की। फैंस को एक खास सलाह भी दी।

एक प्रैक्टिकल फिटनेस सीक्रेट बताया

मलाइका अरोड़ा हाल ही में सोफी चौधरी के फिटनेस शो 'फेमसली फिट विद सोफी' में नजर आईं। दोनो ने जिम में खूब एक्सरसाइज की। साथ ही फिटनेस को लेकर बातचीत भी की है। वह बताती हैं कि अपनी बॉडी की जरूरतों पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही प्रैक्टिकल होकर फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए। मलाइका कहती हैं, 'बस इसे एक बैज की तरह पहनें।

ग्रेसफुली उम्र को बढ़ने दें। इसमें ज्यादा न उलझें। यह तो बस एक नंबर है। आप किसी भी उम्र के हों, चाहे 20 के या 60 के, आप कमाल के हैं।'

फिटनेस को लेकर बहाने नहीं बनाने चाहिए

सोफी चौधरी को मलाइका कहती हैं, 'कई लोग बहाने बनाते हैं। आज वर्कआउट नहीं करना है। जिम फ्री नहीं है। लेकिन बहाने मत बनाइए, बस जिम जाइए।' वह यह भी कहती हैं कि डाइट पर भी सबको ध्यान देना चाहिए। मलाइका अरोड़ा ने तो अपना एक रेस्टोरेंट भी खोला है, जहां वह हेल्दी फूड ऑप्शन लोगों को देती हैं।

मलाइका अरोड़ा करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड फिल्मों में अपने आइटम नंबर्स की वजह से जानी जाती हैं। पिछले साल भी फिल्म 'थामा' में उन्होंने 'प्वाइजन बेबी' नाम के गाने पर आइटम डांस किया था। वह कई डांस रियलिटी शो को जज भी कर चुकी हैं।

आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने इस बात को लेकर की सारा अर्जुन की तारीफ, कहा- तुम ही आज और कल हो...

सारा अर्जुन ने 'धुरंधर 2' में बेहतरीन काम करने के लिए पूरी टीम के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है। इस पोस्ट पर आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने कमेंट करते हुए सारा अर्जुन की तारीफ की है।

फिल्म 'धुरंधर 2' की कामयाबी से आदित्य धर के साथ उनकी पत्नी यामी गौतम भी खुश हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' की लीड एक्ट्रेस सारा अर्जुन की तारीफ की है। उन्होंने युवा अभिनेत्री के अभिनय और लगन की जमकर सराहना की है। आइए देखते हैं कि यामी ने सारा अर्जुन के बारे में क्या कहा?

सारा अर्जुन की पोस्ट में क्या है?

हाल ही में सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने फिल्म के सेट के पीछे की तस्वीरें शेयर की। एक लंबे नोट में, उन्होंने आदित्य धर, प्रोडक्शन हाउस, कॉस्ट्यूम डिजाइनरों, कास्टिंग डायरेक्टर, एडिटर, सिनेमैटोग्राफर और फिल्म पर काम करने वाले हर व्यक्ति के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी पोस्ट का समापन इन शब्दों के साथ किया, 'एक्टर पोस्टर पर दिखने वाले चेहरे होते हैं, लेकिन आप इस सिनेमा की रीढ़ हैं। धुरंधर की पूरी टीम का धन्यवाद।'

यामी गौतम ने सारा अर्जुन की तारीफ की

इस पोस्ट पर यामी गौतम ने कमेंट किया। उन्होंने सारा की तारीफ की। उन्होंने लिखा 'तुम ही आज और कल हो, सारा... तुमने जो किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है।' इस पोस्ट पर सारा अर्जुन ने रिप्लाई करते हुए लिखा 'आभार जताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।'

आदित्य धर ने किया सारा अर्जुन को रिप्लाई

सारा की पोस्ट पर कमेंट करते हुए आदित्य धर ने लिखा 'जिस तरह से आप चीजों को महसूस करती हैं, उसमें एक हिम्मत है। जिस तरह से आप दुनिया को दिखाती हैं, उसमें गरिमा है। इस सफर पर भरोसा करने के लिए और ईमानदारी के साथ डटे रहने के लिए आपका धन्यवाद।'

'धुरंधर 2' में सारा का किरदार

'धुरंधर 2' में जहां रणवीर सिंह ने हमजा अली का किरदार निभाया है। वहीं सारा अर्जुन ने इसमें उनकी पत्नी यलीना का किरदार निभाया है। इसमें संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन और राकेश बेदी भी अहम किरदारों में हैं।

आवारापन 2 के साथ अगस्त में लौटेंगे इमरान हाशमी, रिलीज पर आ गया अपडेट

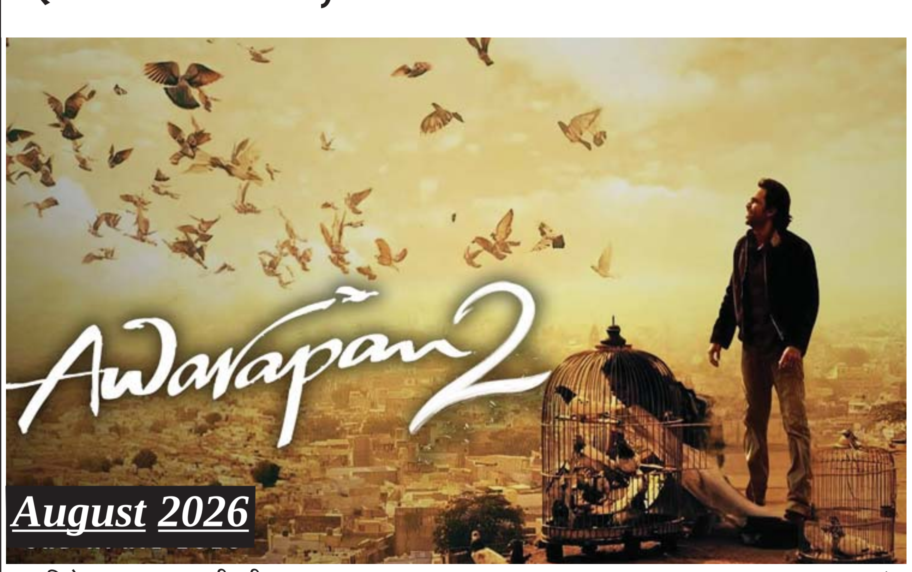

अभिनेता इमरान हाशमी की आवारापन 2 साल 2026 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म की पहली कड़ी साल 2007 में रिलीज हुई थी, जिसमें अभिनेत्री के रूप में श्रिया सरन नजर आई थीं। अब दूसरी किस्त में इमरान के साथ, अभिनेत्री दिशा पाटनी मुख्य किरदार में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। पहले निर्माताओं ने फिल्म रिलीज के लिए 3 अप्रैल की तारीख को चुना था, लेकिन अब इसकी नई रिलीज को लेकर अपडेट आ गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आवारापन 2 की नई रिलीज तारीख तय हो गई है। इसे अगस्त, 2026 में सिनेमाघरों में उतारा जाएगा। परियोजना से जुड़े सूत्र ने पुष्टि करते हुए कहा, इमरान हाशमी और दिशा पटानी अभिनीत अवारपन 2 एक संगीतमय और गहन प्रेम कहानी के रूप में उभर कर सामने आई है। फिल्म निर्माता कई रिलीज तारीखों पर विचार कर रहे थे, और अब उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के सप्ताहांत को रिलीज करने का फैसला लिया है

रिपोर्ट में कहा गया कि आवारापन 2 की शूटिंग अभी भी चल रही है, जिसके अप्रैल के आखिर तक पूरी होने की संभावना है। यही कारण से फिल्म पिछली तय तारीख पर रिलीज नहीं हो सकी थी। फिल्म के 2 महीने के पोस्ट-प्रोडक्शन के बाद, निर्माता इसे स्वतंत्रता दिवस के त्योहार के दौरान रिलीज करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। आवारापन 2 का निर्देशन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं, जिन्होंने नोटबुक और जवानी जानेमन को निर्देशित किया था।

किडनी पर पड़ सकता है बुरा असर

एक ही सांस में पानी पीना पड़ सकता है भारी

भागदौड़ भरी जिंदगी में थकान होना लाजिमी है, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि कई लोग थकान को मिटाने के लिए पानी की पूरी बोतल एक ही बार में खत्म कर देते हैं। खासकर युवा एक सांस में पूरा पानी पीने की आदत को मजेदार समझते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो यह आदत खतरनाक है।

वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, हमारा शरीर पानी को धीरे-धीरे अवशोषित करता है। शरीर में मौजूद किडनी का काम खून को साफ करना और जरूरी तत्वों का संतुलन बनाए रखना होता है। किडनी के अंदर छोटे-छोटे फिल्टर होते हैं, जिन्हें नेफ्रॉन कहा जाता है। जब हम एकदम से बहुत ज्यादा पानी पी लेते हैं, तो किडनी पर अचानक अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इस दबाव के कारण किडनी को पानी को फिल्टर करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे लंबे समय में उसकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि एक बार में ज्यादा पानी पीना शरीर के इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को भी बिगाड़ सकता है। शरीर में सोडियम और अन्य मिनरल्स का संतुलन बहुत जरूरी होता है। जब अचानक बहुत सारा पानी शरीर में पहुंचता है, तो यह संतुलन गड़बड़ा सकता है, जिससे चक्कर आना, कमजोरी या उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मामलों में यह स्थिति गंभीर भी हो सकती है, जिसे मेडिकल भाषा में वाटर इंटॉक्सिकेशन कहा जाता है।

इसके अलावा, पानी की कमी और गलत आदतें जैसे पेशाब को लंबे समय तक रोककर रखना भी शरीर के लिए नुकसानदायक है। जब कोई व्यक्ति बार-बार पेशाब रोकता है, तो इससे मूत्र मार्ग में बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ जाता है। यह धीरे-धीरे इंफेक्शन का रूप ले सकता है और अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो इसका असर किडनी तक पहुंच सकता है।

गर्मियों के मौसम में प्यास ज्यादा लगना सामान्य बात है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि एक बार में बहुत सारा पानी पी लिया जाए। शरीर को पानी की जरूरत लगातार और संतुलित मात्रा में होती है। जब हम थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते हैं, तो शरीर उसे बेहतर तरीके से उपयोग कर पाता है। इससे न केवल किडनी पर दबाव कम पड़ता है, बल्कि शरीर हाइड्रेट भी बना रहता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पानी हमेशा आराम से, बैठकर और घूंट में पीना चाहिए। इससे शरीर को पानी को अवशोषित करने का समय मिलता है और वह अपने सभी जरूरी कार्य सही तरीके से कर पाता है।

खास खबर

जल जीवन मिशन से महिलाओं के जीवन में आई नई मुस्कान

कोरबा । जिले के करतला विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढियापाली का आश्रित ग्राम ढिटोरी, जो जिला मुख्यालय से लगभग 36 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, आज विकास की एक नई इबारत लिख रहा है। लगभग 763 की जनसंख्या वाले इस गाँव में पहले स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती थी, जिससे विशेषकर महिलाओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। गाँव की 38 वर्षीय जोगिनी बाई उन दिनों को याद करते हुए बताती हैं कि उन्हें पानी लाने के लिए घर से काफी दूर जाना पड़ता था। गर्मी हो या बारिश, हर मौसम में साफपानी का इंतजाम करना एक संघर्ष जैसा था, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती थी बल्कि शारीरिक श्रम भी अधिक करना पड़ता था। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी 'हर घर जल' पहल और जल जीवन मिशन के माध्यम से ढिटोरी की यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। मिशन के तहत ग्राम ढिटोरी के सभी 176 घरों को नल कनेक्शन से जोड़ दिया गया है, जिससे अब ग्रामीणों को सुबह और शाम उनके घर पर ही पाइपलाइन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो रहा है। इस योजना के क्रियान्वयन से ग्रामीण महिलाओं को पानी ढोने के पुराने और कठिन काम से बड़ी राहत मिली है, जिससे उनके समय और श्रम की बचत हो रही है। जल जीवन मिशन ने न केवल पेयजल की समस्या का निदान किया है, बल्कि इसने ग्रामीण समाज की महिलाओं के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव भी लाया है। घर पर ही स्वच्छ पानी उपलब्ध होने से महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास जागृत हुआ है। आज ढिटोरी की महिलाएं घर के साथ-साथ सामाजिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता की ओर भी कदम बढ़ा रही हैं।

प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच, 918 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है – बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज अभनपुर टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 खंडवा में 154 बच्चों की स्क्रीनिंग, आरंग टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 उमरिया में 134 बच्चों की स्क्रीनिंग, धरसीवां टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 धनेली में 120 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम ए द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 टिकरापारा नगर में 132 बच्चों की स्क्रीनिंग एवं 01 बच्चा सस्पेक्टेड, अर्बन टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 3 एवं 4 भाठागांव में 191 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम डी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 7 एवं 8 रावाभाटा में 187 बच्चों की स्क्रीनिंग हुई व पूरे जिले में आज कुल 918 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

उन्नत कृषि महोत्सव रायसेन में होगा आधुनिक मशीनरी से हर फसल के लिए तेज, सस्ती और सटीक खेती का प्रदर्शन

स्मार्ट फार्मिंग के मॉडल से किसान होंगे लाभान्वित- शिवराज सिंह

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर केंद्र द्वारा राज्य सरकार के सहयोग से मध्य प्रदेश के रायसेन में आयोजित कृषि मेला वास्तव में आधुनिक तकनीक के ज़रिये खेती को नई रफ़्तार देने वाला राष्ट्रीय उत्सव बनेगा, जहाँ किसान खेत खेत तक पहुँच चुकी ड्रोन, नैनो उर्वरक, सूक्ष्म सिंचाई और जलवायु स्मार्ट खेती के सबसे सफल मॉडल एक ही जगह पर लाइव देखेंगे और सीखेंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि यह तीन दिवसीय महोत्सव 11 से 13 अप्रैल तक रायसेन के दशहरा मैदान में वृहद प्रदर्शनी, प्रशिक्षण और लाइव डेमो के रूप में आयोजित होगा, जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन अनुसार विकसित खेतीङ्कसमृद्ध किसान के संकल्प को ज़मीन पर उतारना है।

राष्ट्रीय कृषि मेले के विशेष मशीनरी ज़ोन में ग्रीनलैंड एग्रो टेक, एग्री किंग, सोनालिका, शक्तिमान, वीएसटी, न्यू हॉलैंड, स्वराज, ग्रीव्स जैसी अग्रणी कंपनियाँ रीपर बाइंडर, सेल्फ प्रोपेल्ड रीपर बाइंडर, रोटावेटर, कॉर्न पिकर विद साइलज, विभिन्न क्षमता के ट्रैक्टर, स्क्वायर व राउंड बेलर, क्ङ्गह हे रेक, रोटरी स्लैशर, रोटरी मल्चर, सुपर सीडर, पावर सीडर, शुगरकेन हार्वेस्टर, राइस ट्रांसप्लांटर, कॉटन पिकर हार्वेस्टर, पावर वीडर, ब्रश कटर, चाफकटर और बूम स्प्रेयर जैसे अत्याधुनिक कृषि यंत्रों का लाइव प्रदर्शन करेंगी। किसान मशीनों के संचालन, रखरखाव, लागत लाभ, फसल अनुरूप उपयोग और सुरक्षा उपायों पर लाइव प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे तथा कई यंत्रों पर विशेष छूट और वित्तीय विकल्पों की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि आधुनिक यंत्रों का साथ, खेती में प्रगति हाथों हाथ का संदेश व्यवहार में बदल सके।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह के अनुसार, डेमो प्लॉट पर ड्रोन के माध्यम से नैनो उर्वरक और कीटनाशकों के सटीक छिड़काव का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे किसान प्रत्यक्ष रूप से देख सकेंगे कि कम समय, कम श्रम और कम लागत में बड़े क्षेत्र पर समान एवं परिशुद्ध स्प्रे कैसे संभव है। विशेषज्ञ किसान समूहों को ड्रोन ऑपरेशन, फसल निगरानी, डिजिटल मैपिंग और स्मार्ट फार्मिंग समाधान (सेंसर, मोबाइल एप आधारित सलाह, डेटा ड्रिवन निर्णय) से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर मार्गदर्शन देंगे, जिससे ड्रोन, नैनो उर्वरक और स्मार्ट फार्मिंग: खेती का नया गेम चेंजर की अवधारणा खेत खलिहान तक मज़बूती से पहुँचे।

सूक्ष्म सिंचाई एवं जल प्रबंधन सेक्शन में जैन इरिगेशन, नेताफ़िम, फिनोलेक्स, महिंद्रा ईपीसी, रिवुलिस, अशीरवाद, ड्रिप इंडिया, ऑटोमैट और अन्य कंपनियाँ ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिस्टम, ऑटोमेशन यूनिट, फर्टिगेशन (उर्वरक मिश्रित सिंचाई), ड्रिप फॉर राइस एंड व्हीट, सोलर पंप और वाटरशेड मॉडल प्रदर्शित करेंगी। जल संरक्षण से खेती को दे नई ऊर्जा और जल की बचत, ज़्यादा उपजङ्क स्मार्ट खेती की नई पहचान जैसे किसान हितैषी संदेशों को ध्यान में रखते हुए प्रति बूंद-अधिक फसल की अवधारणा का प्रैक्टिकल डेमो किया जाएगा, जहाँ किसान सीखेंगे कि कैसे सीमित जल संसाधन के बावजूद पैदावार बढ़ाई जा सकती है और खेत को सूखा बाढ़ दोनों से अधिक लचीला बनाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि हॉर्टिकल्चर डिवीजन द्वारा पॉलीहाउस डेमो, मोबाइल कोल्ड स्टोरेज, शेड नेट और देशभर की पौध नर्सरी के माध्यम से उच्च उपज देने वाले प्रमाणित बीजों, फूलों और सब्ज़ियों की संरक्षित खेती, जलवायु जोखिम प्रबंधन और नर्सरी उद्यमिता के अवसर किसानों को समझाये जाएँगे, जिससे मौसम की मार से बचाव, उन्नत बीजों से बेहतर समाधान तथा आधुनिक खेती से बढ़ाएँ पैदावार जैसे संदेश व्यवहार में उतरेंगे। द्वारा समेकित कृषि प्रणाली मल्टी लेयर फार्मिंग, फसल ठंडा रखने की तकनीक, जलवायु नियंत्रित संरचनाएँ और जलवायु स्मार्ट खेती के मॉडल के साथ साथ पराली प्रबंधन हेतु हैपी सीडर, सुपर सीडर व अन्य यंत्रों का प्रदर्शन तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पराली अब समस्या नहीं, बल्कि खेत की समृद्धि का आधार ङ्क 'कचरे से कंचन' का व्यवहारिक संदेश दिया जाएगा, जिससे आय विविधीकरण, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूल खेती का मज़बूत रोडमैप तैयार हो सके।

जनता कमल सेतु : आपकी एक 'नमस्ते' पर दौड़ेगा प्रशासन वैशाली नगर में समस्याओं के अंत का डिजिटल युग शुरू

छत्तीसगढ़ में वैशाली नगर बनी पहली एआई पावर्ड विधानसभा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' विजन को धरातल पर उतारने की दिशा में वैशाली नगर विधानसभा ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वैशाली नगर अब छत्तीसगढ़ का पहला ऐसा विधानसभा क्षेत्र बन गया है, जहां जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 'जनता कमल सेतु एआई' प्लेटफॉर्म की शुरुआत की गई है। विधायक रिकेश सेन की इस अभिनव पहल से अब जनता और जनप्रतिनिधि के बीच की दूरी पूरी तरह खत्म हो गई है। यह केवल एक चैटबॉट नहीं, बल्कि एक संपूर्ण डिजिटल सहायता केंद्र है जो 24×7 नागरिकों की सेवा में उपलब्ध रहेगा।

इस तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पारदर्शिता है। एआई सिस्टम प्राप्त शिकायतों को सीधे संबंधित विभाग तक पहुंचाता है। जैसे ही समस्या का समाधान होता है, नागरिक को सीधे उनके

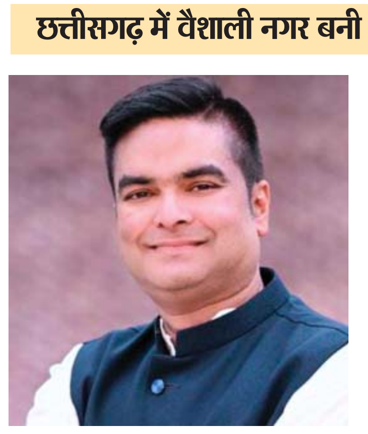

वाट्सएप पर अपडेट प्राप्त हो जाता है। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी, बल्कि सरकारी कामकाज में जवाबदेही भी बढ़ेगी।

रिकेश सेन द्वारा शुरू किया गया यह प्लेटफॉर्म बहुआयामी है। समस्याओं के समाधान के आलावा यह विद्यार्थियों की पढ़ाई से जुड़ी सहायता, युवाओं के करियर मार्गदर्शन और रोजगार के अवसर, महिलाएं के लिए स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता से जुड़ी योजनाओं की जानकारी, बुजुर्गों की सरकारी पेंशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की सरल व्याख्या में भी सहयोगी होगा।

विधायक रिकेश सेन का विजन

इस पहल पर विधायक रिकेश सेन का कहना है कि तकनीक का सही उपयोग जनसेवा को सरल और सुलभ बनाने के लिए होना चाहिए। 'जनता कमल सेतु' जनता और उनके विधायक के बीच विश्वास का एक मजबूत पुल है। छत्तीसगढ़ के राजनीतिक इतिहास में यह तकनीक के माध्यम से जनसेवा का एक 'अद्भुत मॉडल' बनकर उभरा है। आपको बता दें कि जनता कमल सेतु की ?24म7 उपलब्धता है, इसमें किसी भी समय शिकायत दर्ज की जा सकेगी। साथ ही किसी भी भाषा में बातचीत की सुविधा है। भाजपा स्थापना दिवस पर शुरू इस सेवा के बाद वैशाली नगर विधानसभा छत्तीसगढ़ का पहला एआई-पावर्ड विधानसभा क्षेत्र बन गया है।

कैसे काम करता है 'जनता कमल सेतु' ?

क्षेत्र की जनता को अब अपनी शिकायतों के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं होगी। प्रक्रिया बेहद सरल है, मोबाइल नंबर 9977891333 को 'जनता कमल सेतु' नाम से सेव करना होगा। वाट्सएप पर सिर्फनमस्ते या हैलो भेजते ही एआई सक्रिय हो जाएगा। नागरिक अपनी समस्या को लिखकर, बोल कर या फोटो खींचकर भेज सकते हैं। शिकायत दर्ज होते ही एक टिकट आईडी जनरेट होगी, जिससे नागरिक अपनी समस्या के निराकरण की स्थिति ट्रैक कर सकेंगे।

दीदियों ने जगदलपुर में लिया कैफे प्रबंधन प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले के महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन सुकमा द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला सुकमा की 6 महिलाओं (दीदियों) को 2, 3 एवं 4 अप्रैल को जगदलपुर स्थित पांडुम कैफे में कैफे प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण कलेक्टर अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत मुकुन्द ठाकुर एवं डीएफओ अक्षय भोसले के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में शामिल सभी दीदियाँ आत्मसमर्पित नक्सली अथवा नक्सल प्रभावित परिवारों से हैं, जो वर्तमान में सुकमा में एक कैफे का संचालन कर रही हैं। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य उन्हें व्यावसायिक रूप से सक्षम बनाना तथा उनके कैफे संचालन को और अधिक सुदृढ़ करना था।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान दीदियों को कैफे प्रबंधन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। इसमें इन्वेंट्री प्रबंधन, उत्पादों का मूल्य निर्धारण, बिक्री का रिकॉर्ड संधारण, बेहतर ग्राहक सेवा एवं स्वच्छता मानकों का पालन जैसे विषय शामिल रहे। इसके साथ ही उन्हें साग चाट, मंचूरियन, सूप सहित विभिन्न व्यंजनों को बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे वे अपने कैफे के मेन्यू को आकर्षक और विविधतापूर्ण बना सकें। समन्वय एवं पीपीआईए फेलो अर्कजा कुठियाला के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा दीदियों को व्यवसायिक दृष्टिकोण, गुणवत्ता बनाए रखने और ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के गुर भी सिखाए गए।

हायर सेकेण्डरी हिन्दी पुनः परीक्षा हेतु केंद्राध्यक्षों को दिया गया प्रशिक्षण, 10 अप्रैल को होगी परीक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा संचालित हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा 2026 के हिन्दी विषय की पुनः परीक्षा 10 अप्रैल 2026 को आयोजित की जाएगी। इस संबंध में मण्डल के निर्देशानुसार मास्टर ट्रेनर द्वारा सभी केंद्राध्यक्षों एवं सहायक केंद्राध्यक्षों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शासकीय बहुउद्देश्यीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अंबिकापुर के हॉल में आयोजित बैठक में सरगुजा जिले के 71 परीक्षा केंद्रों के केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष सहित परिवहन कार्य में नियुक्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मण्डल से प्राप्त पीपीटी के माध्यम से परीक्षा संचालन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा द्वारा दिए गए। प्रशिक्षण सत्र में रविशंकर पाण्डेय, प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल सेदम एवं एल.पी. गुप्ता, प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मणिपुरवार्ड द्वारा परीक्षा संचालन की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर पुलिस व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए तथा परीक्षा का संचालन पूर्ण सतर्कता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए, जिससे किसी भी प्रकार की विसंगति न हो। बैठक में जानकारी दी गई कि परीक्षा पश्चात् मूल्यांकन कार्य 13 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगा, जिसे 2 दिवस के भीतर पूर्ण किया जाना है।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के शहरी एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत की। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, ओंकार यादव, डिप्टी कलेक्टर टी आर भारद्वाज सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में सरईसिंगार के निवासी प्रकाश चन्द्र साहू द्वारा अपने 14 वर्षीय दिव्यांग पुत्र यश कुमार साहू के लिए पेंशन व व्हील चेयर हेतु आवेदन प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने प्रकरण को सवेंदनशीलता से लेते हुए उप संचालक समाज कल्याण को तत्काल यश कुमार को व्हील चेयर प्रदान करने के निर्देश दिए, उन्होंने यश के बेहतर स्वास्थ्य लाभ हेतु स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया साथ ही दिव्यांग पेंशन सहित विभाग में संचालित अन्य योजनाओं से भी लाभान्वित करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में समाज कल्याण विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदक प्रकाश चन्द्र को उनके पुत्र यश कुमार के लिए व्हील चेयर प्रदान किया गया एवं अन्य विभागीय योजनाओं से शीघ्र ही लाभान्वित करने आशांवित किया गया। जनदर्शन में विभिन्न ग्रामों से आए संतोष कुमार, सामरत यादव सहित अन्य नागरिकों ने बिजली बिल में त्रुटियों के सुधार के सम्बंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर दुदावत ने विद्युत विभाग के अधिकारी को शिविर आयोजित कर राज्य शासन की नई गाइडलाइन के अनुसार आमजनों को राहत पहचाने के निर्देश दिए। साथ ही शिविर के सम्बंध में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। ग्राम खोड्डुल की महिलाओं द्वारा गांव के उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न वितरण में अनियमितता की शिकायत प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए खाद्य अधिकारी को तत्काल जांच दल गठित कर प्रकरण की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही शिकायत सत्य पाए जाने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जनदर्शन में अवैध कब्जा पर रोक प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा मजदूरी भुगतान, आर्थिक सहायता, वनाधिकार पट्टा, सीमांकन एवं मानदेय भुगतान संबंधी कुल 113 आवेदन प्राप्त हुए। सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को त्वरित जांच कर पात्र हितग्राहियों को शीघ्र राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

आत्मसमर्पण से पुनर्वास तक, पवन कुमार ने हिंसा का रास्ता छोड़ जीवन की नई शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुशासन सरकार की सरकार ने माओवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 हिंसा छोड़ मुख्यधारा से जुड़ने वाले नक्सलियों को नई जिंदगी दे रही है। छत्तीसगढ सरकार ने माओवादी आत्मसमर्पितों को 5 लाख तक की सहायता, कौशल प्रशिक्षण, और सम्मानजनक जीवन प्रदान कर नक्सल-मुक्त बस्तर के सपने को साकार कर रही है। कोण्डागांव जिले के फरसगांव के सुदेर पंचायत चिंगनार के पवन कुमार को पुनर्वास नीति के तहत पक्का आवास मिलने से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

कोण्डागांव जिले के विकासखण्ड फरसगांव के दूरस्थ ग्राम पंचायत चिंगनार, जो मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, कभी इस क्षेत्र में माओवाद के प्रभाव के कारण भय और असुरक्षा का माहौल था। अब इन क्षेत्रों में राज्य शासन की पुनर्वास नीति के तहत शांति और विकास स्थापित हो रहा हैं। इसी गांव में रहने वाले श्री पवन कुमार को पुनर्वास नीति के तहत पक्का आवास मिलने से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। पवन कुमार पूर्व में माओवादी संगठन से जुड़े हुए थे। उस दौर में उनका जीवन असुरक्षित और कठिनाइयों से भरा हुआ था। उनका परिवार जंगल किनारे एक झोपड़ी और जर्जर कच्चे मकान में रहने को मजबूर था, जहां न तो पर्याप्त सुविधाएं थीं और न ही सुरक्षित भविष्य की कोई उम्मीद।

समय के साथ उन्होंने यह महसूस किया कि हिंसा का मार्ग केवल विनाश की ओर ले जाता है। शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर उन्होंने साहसिक निर्णय लेते हुए माओवादी संगठन से नाता तोड़ लिया और समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। यह निर्णय उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। आत्मसमर्पण के बाद जिला प्रशासन द्वारा विशेष परियोजना आवास (आत्मसमर्पित परिवार) प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में उन्हें आवास स्वीकृत किया गया। शासन की सहायता से उन्हें चरणबद्ध तरीके से आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया, जिसमें प्रथम किश्त के रूप में 40 हजार रुपये, द्वितीय किश्त में 55 हजार रुपये तथा अंतिम किश्त के रूप में 25 हजार रुपये की राशि दी गई। इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत 90 दिनों की मजदूरी भी प्रदान की गई। इन सभी सहायता राशि और योजनाओं के समुचित उपयोग से पवन कुमार ने निर्धारित समय में अपना पक्का घर पूर्ण कर लिया। यह घर केवल एक आशियाना नहीं, बल्कि उनके नए जीवन की मजबूत नींव है। अब उनका परिवार सुरक्षित वातावरण में रह रहा है और भविष्य को लेकर आश्वस्त है। इसके अतिरिक्त शासन द्वारा उनके घर में बिजली कनेक्शन, रसोई गैस, शौचालय और नल-जल जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। इन सुविधाओं ने उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार किया है और उन्हें एक सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान किया है।

पीएम-आशा योजना के तहत समर्थन मूल्य पर दलहन-तिलहन की खरीदी शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर दलहन और तिलहन की खरीदी शुरू कर दी गई है। विपणन वर्ष 2026-27 के लिए प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत चना, सरसों एवं अरहर की खरीदी का शुभारंभ आज विकासखंड धमधा के सेवा सहकारी समिति घोंटा में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेन्द्र साहू ने भगवान बलराम के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर किया। शुभारंभ के दौरान किसानों द्वारा लाए गए चना की तौल मशीन में तौल कर खरीदी प्रक्रिया की विधिवत शुरुआत की गई। शुभारंभ अवसर पर 12 किसानों से 336 क्विंटल चना और एक किसान से 10 क्विंटल अरहर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की गई। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण (पीएम-आशा) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को इसका पूरा लाभ सही तरीके से मिलना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में धान खरीदी एक बड़े अभियान के रूप में सफलतापूर्वक संचालित की गई है और अब अन्य फसलों को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर शामिल करने की मंशा भारत सरकार की है। इसी उद्देश्य के तहत पीएम-आशा योजना की शुरुआत की गई है। कलेक्टर सिंह ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार की मंशा है कि धान के अलावा अन्य फसलों को भी बढ़ावा दिया जाए। लगातार एक ही फसल उगाने से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है और पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। फसल चक्र अपनाने से मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है और बीमारियों का खतरा भी कम होता है। धान की खेती में पानी की खपत अधिक होती है। उन्होंने किसानों से चना, दलहन जैसी कम पानी वाली फसलों की खेती करने की सलाह दी। उन्होंने कहा जल है तो कल है यदि अभी पानी बचाएंगे तो हमारे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू ने कहा कि धान खरीदी छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना रही है, जिसे सरकार ने अपने वादे के अनुरूप सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
कैरेटवाल एवं ग्राहरन उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

मेडिकल अफसर से डेढ़ लाख की ठगी

रायपुर। सरस्वती नगर थाना निवासी स्वास्थ्य विभाग के सलाहकार को साइबर ठगों ने वर्क फ्रॉम होम काम देने का झांसा देकर 1 लाख 86 हजार की ठगी कर ली। साइबर अपराधियों ने रजिस्ट्रेशन और टास्क के नाम पर पैसे ट्रांसफर कराए और फिर वापस नहीं दिए। पैसे वापस नहीं मिलने पर पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित का नाम पुलिस ने अविनाश शराफ बताया है। सरस्वती नगर पुलिस के अनुसार, पीड़ित अविनाश शराफ 8 मार्च 2026 को फेसबुक चला रहा था, तभी उसे पार्ट टाइम इनकम से जुड़ा एक विज्ञापन दिखा। लिंक पर क्लिक करते ही उसे एक वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराया गया और व्हाट्सएप के ग्रुप में जोड़ दिया गया। शुरुआत में ठगों ने भरोसा जीतने के लिए 200 रुपए का टास्क पूरा करवाया और बदले में 300 रुपए वापस भी दिए।

बड़े जुआरी गिरफ्तार, मर्सिडीज कार आईफोन और 6 लाख नकदी जब्त

रायपुर। पुलिस द्वारा जुआरियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करते हुए थाना अभनपुर क्षेत्र अंतर्गत एक बड़ी रेड कार्यवाही की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 06 अप्रैल 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि जिला रायपुर ग्रामीण एवं धमतरी की सीमा पर स्थित ग्राम टोकरो के पास खेतों के बीच कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा जुआ खेला जा रहा है। जनता से रिश्ता विगत कई दिनों रायपुर के आउटरों में स्थित फार्म हाउस में अवैध कारोबार संचालित होने की खबर प्रकाशित कर रहा है, जिसका असर देखने को मिला है, बड़े जुआरी पकड़े गए है और कई सफेदपोश जुआरी भाग खड़े हुए, लेकिन पुलिस ने अपने प्रेस विज्ञप्ति में फार्म हाउस का जिक्र नहीं किया है, सूत्रों के मुताबिक फार्म हाउस से नेता का संबंध होना बताया जा रहा है। जुए की इस फिल्ड से जुड़े 8 से 10 जुआरी जो बड़े घराने के और पहुंच वाले बताए जा रहे है।

कार बना चलता-फिरता सट्टा अड्डा: आईपीएल पर लाखों का खेल, 3 आरोपी 17 लाख के साथ पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। आईपीएल के हर चौके-छक्के पर लग रहा था लाखों का दांवज लेकिन सिरगिट्टी पुलिस की घेराबंदी ने कार के अंदर चल रहे इस हाईटेक सट्टा रैकेट का खेल एक झटके में खत्म कर दिया, जहां मोबाइल ही बना था पूरा जुआघर और सड़कों पर घूम-घूमकर बदला जा रहा था लोकेशन ताकि कानून की नजर से बचा जा सके।

बिलासपुर के थाना सिरगिट्टी क्षेत्र में एसीसीयू टीम और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गुम्बर पेट्रोल पंप के पास एक सफेद क्रेटा कार क्रमांक सीजी 10 बीडी 8888 को घेरकर पकड़ा गया, जिसमें बैठे तीन लोग मोबाइल के जरिए आईपीएल मैचों पर हार-जीत का दांव लगा रहे थे, मौके पर पकड़े गए आरोपियों की पहचान रामेश्वर गुप्ता उर्फ दउवा पिता स्व. कृष्ण कुमार उम्र 40 वर्ष निवासी बाजार पारा गनियारी थाना कोटा, दीपचंद सोनकर उर्फ चिंटू पिता सूरज उम्र 32 वर्ष निवासी देवरी खुर्द चन्द्रशेखर आजाद चौक थाना तोरवा और सीताराम साहू पिता कीर्ति राम साहू उम्र 36 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 12 नजरलाल पारा सिरगिट्टी के रूप में हुई, तीनों आरोपी कार के अंदर बैठकर मोबाइल के जरिए व्हाट्सएप पर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे और लगातार जगह बदलकर नेटवर्क चला रहे थे, पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली जिसके बाद तत्काल टीम ने घेराबंदी कर वाहन को रोका और मौके पर ही मोबाइल की जांच में सट्टे का पूरा डिजिटल हिसाब-किताब सामने आ गया, आरोपियों के कब्जे से 5,01,300 नगद, 4 मोबाइल फोन और करीब 10 लाख कीमत की क्रेटा कार बरामद की गई, कुल जब्ती लगभग 17 लाख आंकी गई, पूछताछ में आरोपियों ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाना कबूल किया और यह भी खुलासा हुआ कि उनका नेटवर्क अन्य थाना क्षेत्रों तक फैला हुआ है जिसकी जांच जारी है, इस पूरी कार्रवाई को पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) व नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 7(2), 112 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया जहां से न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया, यह कार्रवाई साफ संकेत है कि अब मोबाइल और कार के सहारे चलने वाले सट्टा गैंग भी सुरक्षित नहीं हैंज क्योंकि कानून की नजर अब हर स्क्रीन और हर सड़क तक पहुंच चुकी है ।

ऑनलाइन सट्टा गिरोह पर कार्रवाई

दुर्ग। जिले के जामुल थाना क्षेत्र में पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, एक कार और स्कूटी सहित लगभग 4.06 लाख की सामग्री जप्त की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दिनांक 5 अप्रैल 2026 को थाना जामुल पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम खेदामारा के नहर किनारे मैदान में कुछ लोग मोबाइल के जरिए ऑनलाइन सट्टा खेल रहे हैं। सूचना पर जामुल थाना पुलिस और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिटकी संयुक्त टीम ने तत्काल दबिश दी। रेड के दौरान तीन आरोपियों को "BET BHAI ~" नामक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से आईपीएल क्रिकेट मैचों पर सट्टा लगाते हुए पकड़ा गया। आरोपी पुलिस से बचने के लिए लगातार स्थान बदलते रहते थे और क्रेटा कार एवं स्कूटी से घूम-घूमकर सट्टा संचालित कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है डिकेश्वर सिन्हा उर्फ राजा (28 वर्ष), निवासी मठपारा, जामुल कुलेश्वर पटेल (28 वर्ष), निवासी खेदामारा, जामुल दीपेश कुमार लहरी उर्फ सन्नी (23 वर्ष), निवासी गणेश नगर, जामुल जप्त मोबाइल फोन की जांच में करीब 2.50 लाख से 3 लाख तक के ऑनलाइन लेनदेन के साक्ष्य मिले हैं। इस मामले में अपराध क्रमांक 220/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 5, 6 और 7 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

जप्त सामग्री .. 03 मोबाइल फोन01 क्रेटा कार 01 स्कूटी मेस्ट्रो, कुल जप्ती : लगभग 4,06,000 पुलिस की अपील .. दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के अवैध सट्टा या जुआ गतिविधियों से दूर रहें।

पहले लगाया पति को गले, फिर कमरे में लगा ली फांसी

■ 18 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

श्रीकंचनपथ समाचार

सरगुजा। 18 साल की नवविवाहिता ने घर में फांसी लगा ली। उसने पहले पति को घर बुलाया, तबीयत खराब होने की बात कही, उसे गले लगाया और फिर खुद को कमरे में बंद कर लिया। दरवाजा नहीं खोलने पर परिजन छप्पर तोड़कर अंदर गए।

नवविवाहिता पूजा साड़ी के फंदे से लटकती हुई मिली। पति मुकेश गिरी की उम्र भी महज 19 साल है। ढाई महीने पहले ही शादी हुई थी। मुकेश ने बताया कि पूजा छोटी-छोटी बात पर नाराज हो जाती थी। फिलहाल, मायके पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के केपी गांव की है।

रविवार शाम को पूजा ने पति को फोन कर घर बुलाया और तबीयत खराब होने की बात कही। घर पहुंचने पर उसने सामान्य व्यवहार किया, लेकिन कमरे में जाकर खुद को बंद कर लिया।

जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिजन घबरा गए। उन्होंने छप्पर पर चढ़कर तोड़ा और अंदर पहुंचे, जहां पूजा साड़ी के फंदे से लटकी मिली। उसे तुरंत नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस की पूछताछ में पति मुकेश गिरी ने बताया कि, वह शाम को डांस सीखने के लिए गया था। उसे पूजा ने तबीयत ठीक नहीं होने की जानकारी दी और दवा लेकर आने के लिए कहा। जब घर पहुंचा तो पूजा उल्टी कर रही थी।

पूजा छोटी-छोटी बातों पर नाराज हो जाती थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सोमवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। फिलहाल, मायके पक्ष की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस जांच कर रही है।

जादू टोना के शक में पत्थर से कुचल दिया सिर

श्रीकंचनपथ समाचार

जीपीएम। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में जादू टोना के शक में एक महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पड़ोसी को शक था कि उसके बेटे की मौत के पीछे इसी महिला का हाथ था। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद पड़ोसी व उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया। मामला पेंड्रा थाना क्षेत्र का है।

सोमवार की सुबह खरड़ी गांव निवासी कौशल्या का शव उसके घर पर मिला। महिला का सिर बुरी तरह से कुचला गया था। परिजनों ने इसकी सूचना पेंड्रा थाने में दी। पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुरुआती जांच में यह सामने आया कि कौशल्या के पड़ोसी धीरपाल के बेटे की कुछ महीने पहले बीमारी से मौत हो गई थी। धीरपाल ने कौशल्या पर जादू टोने की आशंका जताई थी।

शक के आधार पर पुलिस ने धीरपाल को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो उसने सारी सच्चाई बता दी। धीरपाल ने बताया कि कौशल्या जादू टोना करती है और इसके कारण उसके बेटे की मौत हो गई थी।

सोमवार की सुबह कौशल्या घर पर अकेली थी तो मौका देखकर अपने दो साथियों के साथ उसके घर गया और कौशल्या के सिर पर पत्थर से कई वार किए। घटना को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए।

किराए पर लेकर बेच देता था ट्रैक्टर, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

जांजगीर-चांपा। जिले की अकलतरा थाना पुलिस ने किसानों से ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी किसानों से ट्रैक्टर-ट्रॉली किराए पर लेकर फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेच देता था। पुलिस ने उसके कब्जे से लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के चार ट्रैक्टर इंजन और एक ट्रॉली बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान खैरा चौकी नैला निवासी अनुराग दास महंत (34) के रूप में हुई है। वह लंबे समय से किसानों को अपना निशाना बना रहा था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पहले किसानों को ट्रैक्टर किराए पर लेने का भरोसा दिलाता था। ट्रैक्टर अपने कब्जे में लेने के बाद वह फर्जी शपथ पत्र तैयार कर उसे अन्य लोगों को बेच देता था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपना मोबाइल बंद कर फरार हो जाता था, जिससे पीड़ितों को काफी परेशानी होती थी।

इस मामले का खुलासा तब हुआ जब परसाही नाला निवासी विनोद कुमार खुसरो ने अकलतरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि आरोपी ने काम के बहाने उनका ट्रैक्टर-ट्रॉली लिया था, लेकिन वापस नहीं किया। बार-बार संपर्क करने पर आरोपी टालमटोल करता रहा और अंततः फरार हो गया।

पुलिस ने तकनीकी सबूत और मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी अनुराग दास महंत ने कई खुलासे किए। वह अलग-अलग नामों से किसानों को झांसा देकर ट्रैक्टर किराए पर लेता था और फर्जी दस्तावेजों के जरिए उन्हें बेच देता था। आरोपी ने अकलतरा, पामगढ़ और नैला क्षेत्रों में इस तरह की कई वारदातों को अंजाम दिया है।

पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) और 316(2) के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

23 वर्षीय युवती ने घर में लगाई फांसी

जांजगीर-चांपा। जिले के ग्राम धाराशिव में युवती समलेश्वरी पटेल (23) ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना बीती रात की है। आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात है और पामगढ़ थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। युवती के पिता बेदराम पटेल ने बताया कि मंगलवार सुबह जब वह सब्जी बेचने के लिए वाहन में सामान रख रहे थे, तो उन्होंने अपनी बेटी समलेश्वरी को जगाने के लिए उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने दरवाजे के छोटे छेद से टॉर्च जलाकर देखा। समलेश्वरी बिस्तर पर नहीं थी। किसी तरह दरवाजा खोलने पर समलेश्वरी फांसी पर लटकी मिली।

कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति क्रमांक 59 वर्ष 2025-26

सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1959 धारा 167 के अंतर्गत निम्नालिखित व्यक्तियों के उनके नाम के सामने भूमि / भवन स्वामित्व परिवर्तन हेतु आवेदन किया है।

संबंधित हित वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन के 15 दिनो के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

स.क्र.	ना.प्र.क्र.	क्रेता का नाम	विक्रेता का नाम	वार्ड क्रमांक	नाम परिवर्तन का आधार जिस पर दावा / आपत्ति की जानी है
1319	1319	छगन लाल / रति राम डिकेश्वरी साहू / छगन लाल	ईमला बाई साहू / छगन लाल	वार्ड क्र. 56 बघेरा, दुर्ग	मृत्यु प्रमाणपत्र, ऋण पुस्तिका
1320	1320	हेमलता वाहणे / अमूल कुमार वाहणे	शांती बाई / स्व. परेटन देवांगन, मुरारीलाल देवांगन / स्व. परेटन देवांगन	वार्ड क्र. 58 उरला(पूर्व), दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1321	1321	मोहम्मद आरिफ सिद्दिकी/ मोहम्मद सादिक सिद्दिकी	लक्ष्मी साहू / विष्णु प्रसाद साहू	वार्ड क्र. 41 केलाबाड़ी, दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1322	1322	रामनारायण नठी/ मनमोहन राठी	जितेन्द्र कुमार नाहर / नेमीचंद नाहर	वार्ड क्र. 36 गंजपारा, दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1323	1323	विजय ताम्रकार/ स्व. मंगल प्रसाद ताम्रकार	कुमारी बाई ताम्रकार / मंगल ताम्रकार	वार्ड क्र. 32 ब्राम्हण पारा, दुर्ग	बंटवारनामा
1324	1324	अजय ताम्रकार/ स्व. मंगल प्रसाद ताम्रकार	कुमारी बाई ताम्रकार / मंगल ताम्रकार	वार्ड क्र. 32 ब्राम्हण पारा, दुर्ग	बंटवारनामा
1325	1325	संजय ताम्रकार/ स्व. मंगल प्रसाद ताम्रकार	कुमारी बाई ताम्रकार / मंगल ताम्रकार	वार्ड क्र. 32 ब्राम्हण पारा, दुर्ग	बंटवारनामा
1326	1326	मिथिला जंघेल / गनपत जंघेल	नरेन्द्र मनहरे / डेरहाराम मनहरे	वार्ड क्र. 20 शहीद भगत सिंह वार्ड (उत्तर) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1327	1327	विनोद ग्रोवर / सहदेव ग्रोवर	मनोज कुमार लुंकड / प्रकाशचंद लुंकड	वार्ड क्र. 60 कातुलबोर्ड पश्चिम दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1328	1328	टिशा चन्द्राकर / विनोद चन्द्राकर	गंगा बाई / स्व. राजकुमार, राकेश कुमार / स्व. राजकुमार, मनीष कुमार / स्व. राजकुमार	वार्ड क्र. 41 केलाबाड़ी, दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1329	1329	प्रीति मिश्रा / चन्द्रशेखर मिश्रा	कृष्ण कुमार शर्मा / स्व.पोषण लाल शर्मा, कु. कशिश शर्मा / कृष्ण कुमार शर्मा	वार्ड क्र. 10 शंकर नगर (पश्चिम) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1330	1330	कृष्ण साहू / स्व. दुर्योधन साहू	अरूण कुमार जायसवाल / अश्वनी कुमार जायसवाल	वार्ड क्र. 58 उरला (पूर्व) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1331	1331	विनीता टॉक / हितेश टॉक	नीपा पटेल / अश्विन पटेल	वार्ड क्र. 17 औद्योगिक (उत्तर) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1332	1332	अनुराधा पाण्डेय / दिग्विजय पाण्डेय	लैला बाई / राम गजभिये एवं रामसखी शुक्ला / स्व. सरजू प्रसाद	वार्ड क्र. 53 पोटियाकला (उत्तर) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1333	1333	निर्मला बाई / साबुराम यादव, शाति, दुर्गा द्रोपती, रमा, सभी पिता स्व. बाबूलाल	लैला बाई / राम गजभिये एवं रामसखी शुक्ला / स्व. सरजू प्रसाद	वार्ड क्र. 09 स्वामी विवेकानंद वार्ड दुर्ग	न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग छ.ग. आदेश पारित दिनांक 29.05.2013
1334	1334	ग्रेसी मैथ्यू / स्व. के.जी. मैथ्यू	के.जी. मैथ्यू / के.एम. मैथ्यू	वार्ड क्र. 49 बोरसी(पश्चिम) दुर्ग	छ.ग. गृह निर्माण मंडल संभाग दुर्ग छ.ग. आदेश दिनांक 29.06.2011
1335	1335	मनोज कुमार साहू / स्व. यशवंत साहू	यशवंत साहू / रूप सिंग साहू, ममता साहू/ स्व. यशवंत साहू, धनेश्वरी साहू/ स्व. यशवंत साहू, रानू साहू/ स्व. यशवंत साहू, कोदिया साहू / स्व. यशवंत साहू	वार्ड क्र. 16 सिकोला बस्ती (उत्तर) दुर्ग	हकत्याग नामा
1336	1336	कंचन सेन / अशोक सेन	इन्दुलेखा द्विवेदी / ब्रजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी	वार्ड क्र. 56 बघेरा, दुर्ग	पंजीकृत बयनामा

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, दुर्ग

सुसाइड केस में सोनिया गिरफ्तार ; कांग्रेस नेता के साथ जाकर वसूली के लिए देती थी धमकी-चमकी, प्रताड़ना में थी हिस्सेदार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग जिले के सुपेला थाना क्षेत्र स्थित स्मृति नगर चौकी इलाके में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पुलिस ने फरार महिला आरोपी सोनिया गोस्वामी को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पहले ही आरोपी कांग्रेस नेता राजू पाल को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस के अनुसार युवक से लगातार पैसों की मांग कर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था, जिसके चलते उसने आत्महत्या कर ली।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हाउसिंग बोर्ड कोहका निवासी सृजन कन्हैया पांडेय ने सूचना दी थी कि मोहन रामटेके (42) 28 मार्च 2026 की सुबह अपने घर में मृत अवस्था में मिला था। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। जांच के दौरान यह सामने आया कि कुछ लोग सृजन से 1 लाख रुपए की मांग कर रहे थे। पैसे नहीं देने पर वे बार-बार उसके घर जाकर और फोन के माध्यम से उसे परेशान कर रहे थे। दोनों आरोपी मोहन रामटेके से एक लाख रुपए की मांग कर रहे थे। लगातार हो रही मानसिक प्रताड़ना के कारण मोहन रामटेके गहरे तनाव में था। पुलिस जांच में यह सामने आया कि पैसों की मांग और दबाव के चलते ही उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। इसके बाद सुपेला थाना की स्मृति नगर चौकी में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसमें कांग्रेस नेता राजू पाल और सोनिया गोस्वामी के नाम लिखे हुए थे।

जांच के बाद हुई गिरफ्तारी

सुसाइड नोट में लिखे नामों की जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज किया। इसके बाद कांग्रेस नेता राजू पाल को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, मामले में शामिल महिला आरोपी सोनिया गोस्वामी घटना के बाद से फरार चल रही थी और पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। 6 अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली कि सोनिया गोस्वामी अपने गांव जेवरासिरसा में मौजूद है। इसके बाद पुलिस टीम ने गांव पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी महिला को विधिवत कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया गया।

सरपंच की पिटाई से अस्पताल कर्मचारी की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सरपंच की कथित पिटाई से एक अस्पताल कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजन और अस्पताल स्टाफ आक्रोशित हो गए और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। मृतक की पहचान बालकृष्ण चनईया के रूप में हुई है। उनकी बेटी लक्ष्मी ने आरोप लगाया कि ड्यूटी के दौरान उनके पिता के साथ मारपीट की गई, जिससे उनकी हालत बिगड़ी और इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने बेन्द्रकोना निवासी आरोपी सरपंच जयवीर सिंह ठाकुर की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। घटना के विरोध में जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कर्मचारियों ने भी काम बंद कर दिया। पोस्टमार्टम कक्ष और अस्पताल के मुख्य गेट पर ताला लगाकर कर्मचारियों ने पीएम करने से इनकार कर दिया।

प्रमुख खबरें

मुख्यमंत्री साय से आस्ट्रेलिया के महावाणिज्य दूत बर्नार्ड लिंच ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सोमवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में ऑस्ट्रेलिया के महावाणिज्य दूत बर्नार्ड लिंच ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य में चल रही विकास योजनाओं, विशेष रूप से आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पेयजल एवं पोषण सुधार के प्रयासों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार इन क्षेत्रों में तेजी से काम कर रही है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से इन योजनाओं को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इस अवसर पर श्री साय ने बर्नार्ड लिंच को बेल मेटल निर्मित धातु की प्रतिमा भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, मुख्यमत्री के विशेष सचिव रजत बंसल, सीनियर इकोनॉमिक रिसर्च अफसर अनघा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका ने जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट को सौंपी एम्बुलेंस की चाबी

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने सोमवार को गायत्री नगर रायपुर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में मंदिर ट्रस्ट को एम्बुलेंस प्रदान किए। उन्होंने अपने स्वेच्छानुदान मद से प्रदत्त 6 लाख 80 हजार की लागत के एम्बुलेंस की चाबी सौंपी और हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया। इस वाहन का उपयोग श्री जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट में किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी उपस्थित थे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर लें स्वस्थ व संतुलित जीवन शैली अपनाने का संकल्प : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 7 अप्रैल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली अपनाने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। यह दिवस न केवल स्वास्थ्य से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का अवसर है, बल्कि अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का भी संदेश देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान – ये तीनों स्वस्थ जीवन के मूल आधार हैं। यदि हम अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे सुधार करें, तो बड़े स्तर पर सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के लिए सतत प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे स्वयं स्वस्थ रहने के साथ-साथ अपने परिवार और समाज में भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाएँ, ताकि एक स्वस्थ, सक्षम और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण में सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सिम्स में 'जेंडर फॉर हेल्थ' का आयोजन, 100 से अधिक छात्रों ने लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सिम्स चिकित्सालय, बिलासपुर में जेंडर फॉर हेल्थ थीम पर एक व्यापक एवं जागरूकता से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं जेंडर समानता के महत्व को रेखांकित करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में क्विज, पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, लैंगिक समानता एवं समाज में जागरूकता से जुड़े विषयों पर अपने विचार रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि स्वस्थ समाज के निर्माण में सभी वर्गों की समान भागीदारी आवश्यक है।

यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम जेंडर फॉर हेल्थ के अनुरूप किया गया। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल संचालन हुआ, जिसमें स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई और लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में देशभर के सैकड़ों मेडिकल कॉलेजों में चल रही समान गतिविधियों की जानकारी भी साझा की गई, जिससे प्रतिभागियों को व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया एवं उनके प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर उपस्थित विशेषज्ञों ने छात्रों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में सिम्स चिकित्सालय के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह एवं नोडल अधिकारी डॉ. भूपेंद्र कश्यप की विशेष उपस्थिति रही।

छूटे हुए हितग्राहियों के लिये आयुष्मान विशेष शिविर आज से

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिले में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के पंजीयन हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में 7 अप्रैल 2026 से जिले के सभी विकासखंडों के चयनित ग्रामों में विशेष पंजीयन शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में विशेष रूप से छूटे हुए हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अवस्थी ने बताया कि विशेष शिविरों के माध्यम से तथा शासकीय अस्पतालों एवं चिन्हित निजी अस्पतालों में भी आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में विशेष रूप से 1 से 5 वर्ष तक के बच्चों के आयुष्मान पंजीयन हेतु विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। मितानिन, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के शत-प्रतिशत आयुष्मान पंजीयन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि कोई भी पात्र बच्चा योजना के लाभ से वंचित न रहे।

स्वस्थ बेटियां, सक्षम बेटियांः छत्तीसगढ़ में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध प्रारंभ किए गए राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान को छत्तीसगढ़ की साय सरकार प्रदेशभर में प्रभावी रूप से क्रियान्वित कर रही है। इसी क्रम में सरगुजा जिले के लखनपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई।

कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर पहुंचकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने टीकाकरण के लिए आई बेटियों से मुलाकात कर उनसे आत्मीय बातचीत की और उन्हें एचपीवी वैक्सीन के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए इस टीके को लगाने के लिए प्रेरित किया। यह टीकाकरण भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव करता है। बालिकाओं को इसका लाभ अवश्य लेना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों एवं स्टाफ से चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि अभियान को पूरी गंभीरता, सतर्कता और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किशोरियों तक इसका लाभ पहुंच सके। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल में उपचाररत अन्य मरीजों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का उद्देश्य किशोरियों को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से सुरक्षित करना है, जो

आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण बनता है।

यह टीका विशेष रूप से 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है और इसे निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार स्वस्थ नारी, सशक्त राष्ट्र के संकल्प के साथ महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

लोकभवन में लगा होम्योपैथिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, अधिकारियों-कर्मचारियों को किया प्रेरित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर सोमवार को लोक भवन के छत्तीसगढ़ मंडपम में होम्योपैथिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 60 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों तथा उनके परिजनों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर इसका लाभ उठाया।

शिविर में चिकित्सकों ने रक्तचाप, मधुमेह, आर्थराइटिस, रक्त संबंधी समस्याएं, सनस्ट्रोक, चिकनपॉक्स सहित विभिन्न बीमारियों के लिए होम्योपैथिक दवाइयां निःशुल्क प्रदान की गईं। चिकित्सकों ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया गया।

राज्यपाल श्री डेका स्वयं शिविर में पहुंचकर अपने रक्तचाप (बी.पी.) एवं वजन की जांच कराई।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से बीमारियों की समय रहते पहचान संभव होती है और बेहतर उपचार किया जा सकता है।

इस स्वास्थ्य शिविर में रायपुर होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के चिकित्सकों और स्टाफ ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

उन्होंने मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाइयां वितरित कीं तथा जीवनशैली से जुड़ी उपयोगी सलाह भी दी। लोकभवन में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर को अधिकारियों-कर्मचारियों और उनके परिजनों ने उपयोगी पहल बताते हुए सराहना की।

छत्तीसगढ़ के कण-कण में बसे हैं श्रीराम : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार को जशपुर जिले के कुनकुरी के सालियाटोली में आयोजित भव्य संगीतमय श्रीराम कथा महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन और चरित्र का उल्लेख करते हुए उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस पावन अवसर पर व्यासपीठ पर विराजमान परम पूज्य संत श्री चिन्मयानंद बापूजी को सादर नमन करते हुए कहा कि आज कुनकुरी की यह पावन धरा धन्य हो गई है।

उन्होंने कहा कि सालियाटोली का यह स्टेडियम श्रीराम कथा के रसपान से साक्षात श्रीराम का धाम बन गया है और चारों ओर 'जय श्रीराम' की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम का छत्तीसगढ़ से अत्यंत गहरा संबंध है। यह माता कौशल्या की पावन धरती है और भगवान श्रीराम का ननिहाल है, जहाँ वे भांजे के रूप में घर-घर में पूजे जाते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि भगवान श्रीराम ने अपने 14 वर्ष के वनवास का अधिकांश समय दंडकारण्य क्षेत्र एवं छत्तीसगढ़ के जंगलों में बिताया, जिससे यहाँ के कण-कण में राम की उपस्थिति अनुभव होती है। वनवास काल से जुड़े सीता रसोई जैसे अनेक पवित्र स्थल आज भी इस भूमि की आध्यात्मिक विरासत के साक्षी हैं।

उन्होंने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि हम उस कालखंड में जीवन जी रहे हैं, जब अयोध्या में भगवान श्रीराम की पुनः प्रतिष्ठा हुई है। श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा ने पूरे भारत को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प से संभव हो सका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह संकल्प लिया था कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को श्रीरामलला के दर्शन कराए जाएंगे। इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने गठन के साथ ही श्री रामलला दर्शन योजना प्रारंभ की, जिसके माध्यम से अब तक लगभग 42 हजार श्रद्धालु अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं।

खुरपका-मुंहपका बीमारी की रोकथाम; अब तक 75 हजार पशुओं का किया गया टीकाकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

महासमुंद। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत खुरपका-मुंहपका बीमारी की रोकथाम के लिए जिले में 30 अप्रैल 2026 तक सघन टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में गाय, भैंस सहित सभी खुर वाले पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है।

भारत शासन द्वारा वर्ष 2019 से नेशनल एनिमल डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के तहत इस अभियान का संचालन किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश में खुरपका-मुंहपका बीमारी जैसी संक्रामक बीमारी पर नियंत्रण पाना और उसे पूरी तरह समाप्त करना है।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. अंजना नायडू ने बताया कि अब तक टीकाकरण के 6 चरण सफलतापूर्वक पूर्ण किए जा चुके हैं तथा 7वां चरण का टीकाकरण जारी है। जिसमें विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा घर-घर पहुंचकर पशुपालकों के पशुओं का टीकाकरण किया जा रहा है।

जिले में कुल 1,91,341 गौवंशीय एवं भैंसवंशीय पशु उपलब्ध हैं, जिनमें से अब तक लगभग 75,000 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। शेष पशुओं का टीकाकरण अभियान सतत जारी है।

उन्होंने बताया कि खुरपका-मुंहपका एक अत्यधिक संक्रामक विषाणु जनित रोग है, जो संक्रमित पशुओं के संपर्क, दूषित उपकरण, चारे एवं पानी के माध्यम से तेजी से फैलता है।

इस रोग से प्रभावित पशुओं के खुर एवं मुंह में छाले हो जाते हैं, जो फटने पर घाव में बदल जाते हैं। इसके कारण पशु लंगड़ाने लगता है, दुग्ध उत्पादन में कमी आती है तथा गर्भवती पशुओं में गर्भपात की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही मुंह में घाव होने के कारण पशु भोजन नहीं कर पाता, जिससे उसके वजन में भी कमी आती है।

पशु चिकित्सा विभाग की उप संचालक डॉ. अंजना नायडू ने जिले के सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग दें और अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण कराकर उन्हें इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखें।

प्रधानमंत्री सूर्य घर से रोशन हुआ सरिता का घर

धमतरी। जिले में शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने वाली प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने हजारों परिवारों को सुरक्षित आवास प्रदान किया है। अब इन घरों को स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा से रोशन करने के लिए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। धमतरी जिले में इस योजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी और जिला प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य बिजली बिल से राहत दिलाना, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना और ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। इसी योजना से लाभान्वित होकर अपने जीवन में नया बदलाव लाने वाली एक प्रेरक कहानी है कुरुद विकासखंड के चरमुड़िया गांव की निवासी सरिता साहू की। सरिता के परिवार की आजीविका मुख्य रूप से कृषि कार्य और दैनिक मजदूरी पर निर्भर है। सीमित आय के कारण उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता था।

अब दलहन में आत्मनिर्भर बनेगा धमतरी, लोहरसी से हुई मजबूत शुरुआत, बीज के साथ मिला विश्वास

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। दलहन आत्मनिर्भरता मिशन अंतर्गत दलहन आत्मनिर्भरता मिशन अंतर्गत धमतरी जिले के ग्राम लोहरसी में किसानों को उड़द बीज का वितरण एवं तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया।

धमतरी में किसान धान के बदले रवि में फसलचक्र परिवर्तन अंतर्गत दलहन -तिलहन की फसल अपना रहे है। इसके अलावा मखाना और औषधि की खेती की और झुकाव होने लगा है। वे मखाना और औषधि की खेती भी कर रहे है। इसके लिए कृषि विभाग के साथ जिला प्रशासन ने किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

दालें सिर्फएक कृषि उत्पाद नहीं हैं; वे भारत की पोषण सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य और ग्रामीण आजीविका का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। दुनिया में दालों के सबसे बड़े उत्पादक, उपभोक्ता और आयातक के रूप में, भारत की नीतियां लगातार इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में उत्पादकता और स्थिरता बढ़ाने पर केंद्रित रही हैं। बढ़ती आय और संतुलित पोषण के प्रति बढ़ती

जागरूकता के साथ, दालों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे घरेलू उत्पादन बढ़ाने के अवसर पैदा हो रहे हैं। दालों का आर्थिक और व्यापारिक महत्व तो है ही, साथ ही ये पोषक तत्वों का भी भंडार हैं। राष्ट्रीय पोषण संस्थान के अनुसार, भारतीय आहार में कुल प्रोटीन की मात्रा में इनका योगदान लगभग 20-25 प्रतिशत है।

हालांकि, प्रति व्यक्ति दालों की खपत अनुशंसित 85 ग्राम प्रतिदिन से कम है, जिसके कारण देश भर में प्रोटीन-ऊर्जा कुपोषण की समस्या बढ़ रही है। इसलिए, घरेलू उत्पादन बढ़ाना न केवल आर्थिक आवश्यकता है, बल्कि जन स्वास्थ्य में सुधार की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस दोहरे महत्व को पहचानते हुए, भारत सरकार ने दलहन क्षेत्र को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया है। 11 अक्टूबर 2025 को नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में एक विशेष कृषि कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 11,440 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ दलहन आत्मनिर्भरता मिशन (दलहन आत्मनिर्भरता मिशन) का शुभारंभ किया था । इस कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने दलहन की खेती में लगे किसानों से बातचीत भी थी और कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में मूल्य श्रृंखला आधारित विकास को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला था । उन्होंने इस बात पर बल दिया गया कि इस मिशन का उद्देश्य न केवल दलहन उत्पादन बढ़ाना है, बल्कि एक सतत और सशक्त भविष्य का निर्माण करना भी है ।यह मिशन पोषण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950